CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-05
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

इंसान तो हर घर में पैदा होते हैं, बस इंसानियत कहीं कहीं जन्म लेती है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

गुड़ी पड़वा और नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

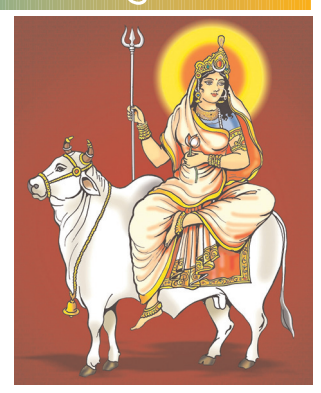

ऊं ऐं ह्रीं क्लीं शैलपुर्त्यै नमः। प्रथम दुर्गा त्वंहि भवसागरः तारणीम। धन ऐश्वर्य दायिनी शैलपुत्री प्रणमाभ्यम॥

इंदौर, मंगलवार, 09 अप्रैल 2024

बंगाली डोम में रखेंगे माता के रथ, श्रीराम दरबार का द्वार रहेगा आकर्षण का केंद्र

गणगोर पर्व पर नया इतिहास रचने को तैयार नगर...

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ खरगोन, भीकनगांव नगर में 11, 12 व 13 अप्रैल को निमाड़ की शान प्रसिद्ध गणगौर महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस बार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी गणगौर उत्सव समिति रथ बौढ़ाने को लेकर जोर शोर से तैयारियों में जुटी है। रविवार को कॉलोनी के माता चौक पर समिति ने भूमिपूजन कर पंडाल निर्माण का श्रीगणेश किया है। भूमिपूजन परसाई गणेश दुबे ने करवाया। सार्वजनिक गणगौर उत्सव समिति के रवि पटेल, योगेश अग्रवाल व विक्रम सेन ने बताया इस बार गणगौर माता के रथ बौढ़ाने का काम सार्वजनिक गणगौर उत्सव समिति करेगी। समाजसेवी बिट्टू ठाकुर व विजय महाजन ने बताया माती की अगवानी को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। पहली बार माता के रथ रखने के लिए बंगाली डोम लगाया जा रहा है। हाउसिंग बोर्ड कालोनी गणगौर उत्सव समिति के विजय महाजन, राजेश महाजन, कुलदीप सेंगर, पवन चौबे, मोहनप्रताप सिंह चौहान, राजेश सोहनी, सौरभ पाल, शुभम महाजन ने बताया गणगौर पर्व इस बार केवल उत्सव नहीं बल्कि महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 12 अप्रैल को धूमधाम से गणगौर माता को पंडाल में लाएंगे। रातभर माताजी की सेवा-पूजा होगी। महिलाएं रतजगा कर भजन गाएगी। अगले दिन 13 मार्च को भंडारे का आयोजन होगा। शाम को गणगौर माताजीको विदाई दी जाएगी

20 सेल्फी पाइंट, नर्सरी व गार्डन भी बनेगा

समिति सदस्यों ने बताया 65 बाय 190 वर्गफीट में गणगौर माता का आकर्षक बंगाली पंडाल रहेगा। इसमें धणियर राजा के स्टेज सहित 351 रथों को रखने की व्यवस्था रहेगी। 15 बाय 330 की एक कवर्ड गली व 15 बाय 130 की दो ओपन गली श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाई जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने व दर्शन में कोई असुविधा ना हो। नगर परिषद पेयजल टंकी के पास बच्चों व युवाओं के लिए 75 बाय 75 का बंगाली सेल्फी पाइंट बनाया जाएगा। सुविधा के लिए अलग-अलग आकर्षक 20 सेल्फी पाइंट का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि की तर्ज पर आकर्षक राम दरबार गेट सहित 4 बड़े गेट का निर्माण किया जा रहा है। इसमें गार्डन भी रहेगा। साथ ही फ्लावर डेकोरेशन सहित नर्सरी का नजारा भी देखने को मिलेगा।

प्रतिबंधित क्षेत्र में फोटोग्राफी करने वालों पर नकेल कसने के लिए महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने बनाए नियम-कायदे

महाकाल के के सिर्फ दर्शन ही करें, रील न बनाएं

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दरबार में श्रद्धालु दर्शन की अभिलाषा लेकर आते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो रील बनाते हैं और प्रतिबंधित क्षेत्र में फोटोग्राफी करते नजर आते हैं। ऐसे लोगों पर नकेल कसने के इरादे से महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने कुछ दिशानिर्देश बनाए हैं। इनका सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। यदि कोई श्रद्धालु मंदिर में रील बनाता दिखाई दिया तो पहले समझाइश दी जाएगी। यदि फिर भी नहीं मानता है तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के नवागत प्रशासक मृणाल मीना ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही श्री महाकालेश्वर मंदिर की दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब उन्होंने मंदिर परिसर में रील बनाने पर पाबंदी लगा दी है। मीना का कहना है कि हम चाहते हैं कि मंदिर में जिस भावना के साथ श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने आते हैं, उनकी मनोकामना पूरी हो। श्रद्धालुओं को अच्छी से अच्छी व्यवस्था मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। इसके बाद भी श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के निदेर्शों का उल्लंघन किया जा रहा है। अब ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। महाकालेश्वर मंदिर परिसर में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतिबंधित है। कई श्रद्धालु इन नियमों का उल्लंघन करते हैं। ऐसा करने पर यदि कोई सुरक्षाकर्मी रोकता है तो उसके साथ मारपीट तक करते हैं। ऐसे लोगों को पहले समझाइश दी जाएगी। अगर नहीं मानते हैं तो दंडात्मक कार्रवाई भी होगी।

रील बनाने पर पहले भी हुआ था बवाल

महाकाल मंदिर में फिल्मी गानों पर डांस का वीडियो बनाने के मामले पहले भी सामने आए हैं। एक युवती ने गर्भगृह में बाबा महाकाल का अभिषेक करते हुए रील बनाई थी। एक युवती मंदिर परिसर में नाचते नजर आई थी। महाकाल मंदिर में वीडियो शूट करने पर पुजारियों ने आपत्ति भी जताई थी। उनका कहना है कि फिल्मी गाने-डांस के वीडियो को मंदिर से जोड़कर बनाना आपत्तिजनक है।

दो दिन पहले सुरक्षाकर्मी के साथ हुई थी मारपीट

श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षाकर्मी शिवानी पुष्पद, संध्या प्रजापति, संगीता चांगेसिया ने श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रतिबंधित क्षेत्र में वीडियो रील बनाने पर चार से पांच महिला श्रद्धालु और लड़कियों को मना किया था। इस पर युवतियों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट तक की थी। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। सुरक्षकर्मी शिवानी पुष्पद की शिकायत पर थाना महाकाल में अभियुक्त नागदा निवासी पलक चौहान, परी चौहान और अन्य के विरुद्ध भादंसं की धारा 323, 294, 506 और 34 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करवाया था।

दर्शन के लिए रोजाना पहुंच रहे डेढ़ लाख श्रद्धालु, हर दूसरा टूरिस्ट ले रहा अयोध्या की जानकारी

ढाई महीने में ही सबको पछाड़ टॉप डेस्टिनेशन बनी अयोध्या

नई दिल्ली। इसी साल 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलाल के मूर्ति की प्राण- प्रतिष्ठा की गई। जिसके बाद से ही रोजाना वहां लाखो श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। आलम तो ऐसा है कि मंदिर को भक्तों के लिए खुले हुए ढाई महीने हो गए हैं लेकिन अभी भी रोजाना डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ट्रैवल एजेंसियों के अनुसार समर वेकेशन आने पर ये आंकड़ा और बढ़ सकता है। एयरलाइंस बुकिंग से जुड़े ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि अयोध्या टूरिस्टों का पहला पसंदीदा डेस्टिनेशन बन गया है। रामलला के दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालुओं का भारी हुजूम अयोध्या धाम पहुंच रहा है। आलम यह है कि अभी हर रोज डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। गर्मी की छुट्टियों में यह आंकड़ा और ज्यादा हो सकता है। ट्रैवल एजेंसियों के मुताबिक इस बार देश में समर वेकेशन में सबसे ज्यादा क्रेज अयोध्या के लिए है। एयरलाइंस बुकिंग से जुड़े ट्रैवल एजेंट दिवाकर कहते हैं कि हर दूसरा टूरिस्ट अयोध्या के बारे में जानकारी ले रहा है। श्रद्धालुओं और टूरिस्टों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अयोध्या एयरपोर्ट पर टेक ऑफ और लैंडिंग का समय दो घंटे बढ़ाया गया है। आमतौर पर अयोध्या एयरपोर्ट पर दिन के समय ही फ्लाइट ऑपरेशन होते हैं, लेकिन बढ़ते एयर ट्रैफिक को देखते हुए इसे हर दिन शाम 5 बजे से बढ़ाकर शाम 7 बजे तक कर दिया गया है।

लोगों में लक्षद्वीप के लिए दिखा उत्साह- दूसरे नंबर पर लक्षद्वीप के लिए भी उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दिनों नई एयरलाइंस फ्लाई91 ने गोवा से अगाती एयरपोर्ट (लक्षद्वीप) के लिए सेवाएं शुरू की हैं। फ्लाई 91 के टऊ मनोज चाको बताते हैं कि गोवा से अगाती की उनकी हर फ्लाइट फुल है।

कांग्रेस पार्टी खुद ही समस्याओं की जननीः मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन ने हमेशा देश को अस्थिरता में झोंका है। आईएनडीआईगठबंधन की जब तक केंद्र में सरकार रही तब महाराष्ट्र की लगातार उपेक्षा होती रही। राजनीतिक पार्टियों का दायित्व होता है कि वो जनता की समस्याओं का समाधान करे, लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद ही समस्याओं की जननी है। पीएम मोदी ने कहा जब नीयत सही होती है तो नतीजे भी सही होती है। आज देश का दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब मोदी सरकार को अपनी सरकार मानता है। मोदी किसी शाही परिवार में पैदा होकर प्रधानमंत्री नहीं बना। मोदी एक गरीब परिवार में जन्म लेकर, आपके बीच रहकर, यहां तक आया है। पीएम मोदी ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी देश में जहां भी जाते हैं, वहां कश्मीर में धारा 370 के बारे में क्यों बात करते हैं? आप मुझे बताइए कि क्या यह कांग्रेस की विभाजनकारी सोच नहीं है? कश्मीर हमारा है कि नहीं है? पूरे हिन्दुस्तान का है कि नहीं है? हमारा सिरताज है कि नहीं है? क्या कश्मीर के लिए ये भाषा हमें मंजूर है? उन्होंने कहा कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने दिल्ली सल्तनत से मोर्चा लिया था तब क्या उन्होंने यह कहा कि दिल्ली में जो भी हो, उससे मेरा क्या वास्ता? क्या लोकमान्य तिलक कभी यह सोच सकते थे कि पंजाब में जलियावाला बाग हत्याकांड हो तो उससे महाराष्ट्र का क्या वास्ता।

सभा के बाद फंसे कांग्रेस नेता, भोपाल से फ्यूल मंगाने के बाद आज सुबह होंगे रवाना

राहुल के हेलिकॉप्टर का खत्म हुआ फ्यूल, शहडोल में गुजारी रात

भोपाल। कांग्रेस के स्टार प्रचारक और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को शहडोल में सभा के बाद वहीं फंस गए। दरअसल, उनका हेलिकॉप्टर फ्यूल की कमी के कारण नहीं उड़ पाया। अब वे रात शहडोल में ही रुके। इस दौरान वे एक निजी होटल में ठहरे। यहां से मंगलवार सुबह रवाना होंगे। हेलिकॉप्टर के लिए भोपाल से फ्यूल मंगवाया गया है। इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार को मंडला और शहडोल लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र के वादों को दोहराया। साथ ही कई मुद्दों पर

मोदी सरकार को निशाने पर लिया। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी ने 22-25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्जा माफ किया है। मनरेगा को चलाने में 65 हजार करोड़ रुपए लगते हैं। मोदी जी ने 24 साल का मनरेगा का पैसा कर्जे का माफ कर दिया। लेकिन वो किसानों का, गरीबों का, मजदूरों का कर्जा माफ नहीं करते।

सरकार बनी तो खत्म करेंगे अग्निवीर योजना राहुल गांधी ने ये भी कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर अग्नि वीर योजना को खत्म करेंगे। क्योंकि सेना भी इसे नहीं चाहती है। शहडोल के बाणगंगा मेला ग्राउंड में आयोजित सभा में राहुल गांधी ने कहा- हमारी सरकार बनने पर देश के किसानों का कर्जा माफ करेंगे। साथ ही किसानों को कानूनी न्यूनतम समर्थन मूल्य देंगे। उन्होंने महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपए देने की भी बात कही।

आदिवासी इस देश और धरती के असली मालिक राहुल गांधी ने इससे पहले मंडला लोकसभा क्षेत्र के सिवनी जिले के धनौरा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आदिवासी इस देश के और इस जमीन के पहले मालिक हैं। राहुल ने कहा, मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता ने आदिवासी के सिर पर पेशाब किया। ये इनकी विचारधारा है। राहुल ने युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरी, एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को दोगुनी स्कॉलरशिप, किसानों को एमएसपी और गरीब महिलाओं के खाते में हर साल एक लाख रुपए जमा करने का वादा किया। राहुल ने आदिवासी वोटरों पर फोकस किया। उन्होंने कहा- जहां 50त्न आदिवासी आबादी है, वहां छठी अनुसूची लागू करेंगे, ताकि आदिवासी अपने निर्णय खुद ले सकें।

सिंगल कॉलम

चाकूबाजी में घायल नाबालिग की मौत

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र के गोविंद नगर में 23 मार्च को सिगरेट पीने की बात पर नाबालिग आरोपितों ने 17 वर्षीय अजय पर चाकू से हमला कर दिया था। उसकी निजी अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार देर रात मौत हो गई। मौत के बाद गुस्साए स्वजन थाने का घेराव करने पहुंचे। उन्होंने आरोपितों के मकान तोड़ने की मांग की। पुलिस के आश्वासन के बाद वहां से लौट गए। पुलिस के मुताबिक, घटना में 307 की धाराओं में पूर्व में ही प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। इसमें शामिल तीनों नाबालिग आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मौत के बाद पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ हत्या की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसमें यह बात सामने आई कि पत्नी पति की जेब से रुपये निकालकर मायके भेज देती थी। पुलिस के मुताबिक, अकरम पुत्र सरदार निवासी अशर्फी नगर की मौत हो गई। वह टाइल्स लगाने का काम करता था। रुपये को लेकर हुआ था विवाद स्वजन ने बताया कि अकरम की पत्नी ने उसकी जेब से करीब आठ हजार रुपये निकाल लिए थे। दूसरे दिन जब पैसे मांगे तो दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर पत्नी ने कहा कि पैसे मायके भेज दिए हैं। अकरम की उसकी दो बेटियां हैं। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

सीयूईटी यूजी में 28 कोर्स की 1400 सीटों के लिए आए एक लाख आवेदन

इंदौर। कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) यूजी में पंजीयन की प्रक्रिया खत्म हो गई। सीयूईटी के माध्यम से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संचालित 28 इंटीग्रेटेड व स्नातक पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। लगभग 1400 सीटों के लिए एक लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने दिलचस्पी दिखाई है। मगर बीते साल की तुलना में इस मर्तबा 80 हजार रजिस्ट्रेशन कम हुए है। वहीं, नान सीईटी से हटाकर तीन पाठ्यक्रम सीयूईटी यूजी में पहली बार शामिल किए गए हैं। उधर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। सीयूईटी यूजी में आइएमएस, आइआइपीएस, ईएमआरसी, लॉ, पत्रकारिता, एनर्जी, डाटा साइंस सहित अन्य विभागों से संचालित 28 पाठ्यक्रम रखे गए हैं। दो बीकाम, पांच बीए, बीफार्मा, बीसीए, तीन बीएससी, बीएएलएलबी, आठ एमटेक, एमसीए, चार एमबीए एमएससी मीडिया साइंस, एमबीए टूरिज्म मैनेजमेंट पांच वर्षीय पाठ्यक्रम हैं। इनमें आवेदन के लिए एनटीए को तीन बार तारीख बढ़ानी पड़ी है। अधिकारियों के मुताबिक, 2022 में 82 हजार और 2023 में एक लाख 78 हजार आवेदन आए थे। 27 फरवरी से 5 अप्रैल तक एक लाख पांच हजार 515 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इसमें मध्य प्रदेश से सबसे ज्यादा विद्यार्थियों ने प्रवेश में रुचि दिखाई है। दिल्ली, यूपी, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात से भी छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन किए हैं। एनटीए ने 15 से 31 मई के बीच परीक्षा रखी है। देशभर में 800 से 900 केंद्रों पर परीक्षा करवाई जाएगी। समन्वयक डा. कन्हैया आहूजा का कहना है कि 10 मई बाद विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड जारी होंगे। इसके बारे में एनटीए की वेबसाइट पर जानकारी दी जाएगी। महीनेभर में आएगा रिजल्ट सीयूईटी यूजी की प्रवेश परीक्षा पंद्रह दिन चलेगी। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा का रिजल्ट महीनेभर में जारी किया जाएगा। एनटीए ने संभावित तारीख तय कर रखी है, जिसमें 30 जून तक रिजल्ट घोषित किया जाएगा। इसके आधार पर विश्वविद्यालय अपनी रैंक बनाएगा। प्रक्रिया में पंद्रह से बीस दिन का समय लगेगा। अधिकारियों के मुताबिक, जुलाई से सीयूईटी काउंसलिंग करवाई जाएगी।

इंदौर में चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को 20 वर्ष का कठोर कारावास

इंदौर। चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्मी को विशेष न्यायालय ने 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वारदात को अंजाम देने के बाद दुष्कर्मी ने बच्ची के परिवार को धमकाया भी था। कोर्ट ने दुष्कर्मी पर अर्थदंड भी लगाया है। वारदात 2 जनवरी 2023 की है। बच्ची की मां ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी चार वर्षीय बेटी के साथ आरोपित रामसिंह ने दुष्कर्म किया है। उसकी बेटी का आरोपित के यहां आना-जाना था। घटना वाले दिन वह आरोपित के यहां से रोते हुए लौटी थी, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया था। 12 जनवरी को वह बेटी को लेकर डाक्टर के यहां गई थी। वहां नर्स ने बच्ची को देखने के बाद कहा कि इसके साथ गलत हुआ है। तुम इसका मेडिकल करवाओ और थाने पर इसकी शिकायत करो। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि विशेष न्यायालय ने प्रकरण में निर्णय पारित करते हुए दुष्कर्मी रामसिंह को 20 वर्ष का कठोर कारावास और साढ़े पांच हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुशीला राठौर एवं अमिता जायसवाल ने पैरवी की।

दशहरा मैदान पर होगी श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ की शुरुआत, उषानगर में लगेगा योग शिविर

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 9 अप्रैल को होंगे। इसमें गुड़ी पड़वा के अवसर पर सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही गुड़ी पूजन के कई आयोजन होंगे। उगते सूर्य और गुड़ी पूजन के आयोजन राजवाड़ा, बड़ा गणपति, चाणक्यपुरी, दशहरा मैदान पर होंगे। इसके साथ ही योग से रोग निवारण शिविर भी होगा। - संस्कार भारती जिला इंदौर, लोक संस्कृति मंच एवं नगर निगम द्वारा राजवाड़ा पर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सुबह 5:30 बजे दीप प्रज्जवलन के बाद संस्कार भारती का ध्येय गीत होगा। ज्योत्सना सोनी व शिष्यो गणेश वंदना की प्रस्तुति देंगे। राम वंदन नृत्य के बाद शास्त्रीय संगीत का गायन शिल्पा मसूरकर की प्रस्तुति होगी। सुंदर रंगोली का निर्माण किया जाएगा। अर्घ्य के बाद निमोली प्रसाद का वितरण किया जाएगा। - हिन्दू नववर्ष आयोजन समिति, तरुण मंच, श्री नारायण मानव उत्थान समिति, महाराष्ट्र समाज, स्वदेशी जागरण मंच, आध्यात्मिक साधना मण्डल एवं राजेंद्र नगर रहवासी संघ इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 6 बजे चाणक्यपुरी चौराहे पर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। राहगीरों को गुड़ और धनिया बांटकर नववर्ष की बधाई भी दी जाएगी।चाणक्यपुरी चौराहा पर 51 फीट उंची गुड़ी बांधकर पूजन किया जाएगा।

- योग से रोग निवारण ग्रीष्मकालीन शिविर महालक्ष्मी मंदिर उषानगर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 28 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 6 से 7.30 तक योग शिक्षकों द्वारा शरीर की अलग-अलग बीमारियों के उपचार के लिए योग बताए जाएंगे। - संस्था सार्थक द्वारा शंख ध्वनि एवं स्वास्ति वाचन के बीच उगते सूर्य को बड़ा गणपति चौराहे पर अर्घ्य सुबह 6.15 बजे दिया जाएगा। इंदौर संस्कार और सरोकार की धरती है। यहां धार्मिक परंपराओं के साथ सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का सम्मान भी सर्वोपरि रहा है। इस मौके पर लोकगीत एवं लोकनृत्य की प्रस्तुति भी होगी। - दशहरा मैदान पर अवध लोक का निर्माण किया गया है। सुबह 9 बजे 151 फीट ऊंची गुड़ी का पूजन कर गुड़ धनिया बांटा जाएगा। आयोजन के लिए रामलला मंदिर की 120 फीट ऊंची प्रतिकृति बनाई गई है। पूजन धर्माचार्यों के सान्निध्य में होगा। इसके साथ नौ दिनी श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ की शुरुआत होगी। - यदि आपकी रुचि इतिहास को करीब से जानने में है तो आप छत्रीबाग स्थित होलकरकालीन छत्रियों के देखने जरूर जाएं। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आप यहां छत्रियों को निहार सकते हैं। यहां लगे साइन बोर्ड की मदद से आप होलकर राजवंश के बारे में भी जान सकते हैं।

9वीं और 11वीं बोर्ड परीक्षा का खराब परिणाम देने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

सिटी चीफ इंदौर।

फरवरी-मार्च में आयोजित हुई 9वीं और 11वीं का परीक्षा परिणाम एक अप्रैल को जारी कर दिया गया है। हाल ही में इस परीक्षा परिणाम को लेकर प्रीतमलाल दुआ सभागृह में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें 20 से अधिक स्कूल ऐसे निकले जिनका परीक्षा परिणाम 40 फीसदी से कम आया है। ऐसे स्कूलों के शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नोटिस जारी कर मांगा जवाब इस बार 9वीं का परीक्षा परिणाम 71.34 और 11वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम 85.20 फीसदी आया है। लेकिन 20 स्कूल ऐसे भी रहे, जहां पर परीक्षा परिणाम औसत से भी कम आया है। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि समीक्षा बैठक में औसत से कम परिणाम देने वाले स्कूलों को लेकर चर्चा की गई थी। जिसमें 20 स्कूलों के शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन स्कूलों में से अधिकांश जगह गणित और अंग्रेजी विषय में परीक्षार्थियों को कम नंबर मिले है। जवाब मिलने के बाद इन शिक्षकों की ट्रेनिंग आयोजित की जाएगी। ताकि वर्तमान शिक्षा सत्र में परिणाम बेहतर आए। 10वीं और 12वीं का मूल्यांकन जारी

व्यास ने बताया कि 10वीं और12वीं बोर्ड परीक्षाओं को मूल्यांकन कार्य भी पूरा हो चुका है। अब एजेंसी द्वारा अंकों की शीट को मुख्यालय भेजा जा रहा है। जहां अंकसूची तैयारी की जाएगी। परीक्षा परिणाम की तारीख तय नहीं है। लेकिन संभवत इसी माह के अंत तक परीक्षा परिणाम आने की संभावना है। बोर्ड परीक्षा परिणाम आने के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

क्रिश्चियन मिशनरी को नहीं मिली धर्मसभा की अनुमति, हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। क्रिश्चियन मिशनरी को 10 अप्रैल को अभय प्रशाल में धर्मसभा आयोजित करने की अनुमति नहीं मिली। संस्था ने यह कहते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी कि आयोजन धार्मिक है और प्रशासन ने पूर्व में इसकी अनुमति दे दी थी, लेकिन बाद में बगैर किसी कारण के इसे वापस ले लिया।आयोजन के लिए तैयारी पूरी कर चुके हैं। प्रशासन की तरफ से याचिका का विरोध करते हुए बताया गया कि संस्था को 27 शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। वर्तमान में आचार संहिता लागू है। ऐसे आयोजनों से कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है। यही वजह है कि प्रशासन ने पूर्व में दी गई अनुमति वापस ले ली है।

हिंदू महासभा ने भी किया था विरोध

हिंदू महासभा ने याचिका में इंटरविनर बनकर अनुमति देने का विरोध किया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने मिशनरी की याचिका यह कहते हुए निरस्त कर दी कि वह चाहे तो चुनाव के बाद नए सिरे से अनुमति के लिए प्रशासन के समक्ष आवेदन कर सकते हैं।

बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर रेलवे ने लगाया 21.70 करोड़ रुपये जुर्माना, लक्ष्य से 4.21 प्रतिशत अधिक वसूली राशि

सिटी चीफ इंदौर।

रतलाम मंडल ने पिछले वित्तीय वर्ष में ऐसे बड़ी संख्या में यात्रियों पर जुर्माना लगाया है, जो बिना रेल टिकट लिए रेल यात्रा का रहे थे। इनमें बिना प्लेटफार्म टिकट, बिना टिकट रेल यात्रा, जनरल टिकट पर स्लीपर व एसी कोच में सफर करने वाले यात्री शामिल है। इस दौरान रेलवे जुर्माना लगाकर 21 करोड़ 70 लाख रुपए की वसूली की है। मंडल को टिकट चेकिंग अभियान में इस बार सबसे ज्यादा राजस्व मिला है।

रतलाम मंडल द्वारा सभी वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन इन ट्रेनों ऐसे कई यात्री भी सफर करते है, जो टिकट नहीं खरीदते है। जिसको लेकर रेलवे हर सालभर टिकट चेकिंग अभियान चलाता है। रेल अफसरों ने बताया कि अत्यधिक अनुभवी टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कई टिकट जांच अभियान चलाए गए। जिससे 21.70 करोड़ रुपये राजस्व मिला है। वर्ष 2023-24 में टिकट चेकिंग से प्राप्त राजस्व वर्तमान वर्ष के लक्ष्य 20.82 करोड़ रुपये से 4.21 प्रतिशत ज्यादा है। सिर्फ मार्च माह में ही बिना टिकट जांच अभियान में कुल 2.57 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई, जो इस वर्ष की अवधि में एक महीने में सर्वाधिक राजस्व है। रतलाम मंडल के पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि रेल यात्रियों को हमेशा टिकट लेकर ही सफर करना चाहिए। क्योंकि जुर्माना की राशि टिकट दर से कही अधिक होती है। टिकट चेकिंग अभियान समय-समय पर चलाया जा रहा है।

हाटपिपल्या में नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र की सौगात ग्रामीणों को मिलेंगी सुविधाएं

इंदौर। इंडेक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए स्वास्थ्य शिविर के जरिए बेहतर इलाज की सुविधा दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंडेक्स समूह द्वारा विभिन्न केंद्रों के जरिए स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत अब मरीजों को हाटपिपल्या में नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाएँ दी जा रही हैं। इसका उद्देश्य मरीजों को उनके गाँव में बेहतर इलाज मुहैया करना है। इस केंद्र में मरीजों को विभिन्न तरह की जाँचें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया, वाइस चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया और डीन डॉ. जीएस पटेल के मार्गदर्शन में विभिन्न केंद्रों की शुरुआत की जा रही है। हाटपिपल्या में केंद्र के शुभारंभ अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्वाति प्रशांत, ओबीजीवाय हेड डॉ. पूजा देवधर, मेडिसिन हेड डॉ. सुधीर मौर्या, मिशन हॉस्पिटल हेड डॉ. दत्ता, डॉ. भानु प्रताप सिंह राणावत आदि उपस्थित थे। डॉ. स्वाति प्रशांत ने बताया कि इंडेक्स समूह द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए खासतौर पर मप्र सरकार के साथ विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में क्लर्क और परीक्षक की गलती से फेल हुए विद्यार्थी

सिटी चीफ इंदौर।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के 46 विद्यार्थियों द्वारा प्रायोगिक परीक्षा में फेल करने के मामले में जांच के दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। इसमें यह सामने आया कि 46 नहीं बल्कि बैच के 160 विद्यार्थियों को भ्रम के कारण कम अंक दिए गए हैं।इस गड़बड़ी का कारण क्लर्क द्वारा अंक अपलोड करने में चूक और परीक्षक द्वारा विश्वविद्यालय को अंक जमा करने से पहले इस गलती को न पकड़ पाना है। हालांकि एमजीएम मेडिकल कालेज ने सोमवार को अपनी ओर से यह गलती भी स्वीकार कर ली है। कॉलेज ने यह भी कहा कि संशोधित अंकों की नई सूची मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू) जबलपुर को तदनुसार परिणाम अपडेट करने के अनुरोध के साथ भेजी जाएगी।

एमपीएमएसयू परीक्षा नियंत्रक डा. सचिन कुच्चा ने कहा कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज से सभी परीक्षकों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित शपथ पत्र भेजने को कहा है। अंतिम निर्णय के लिए मामले को परीक्षा बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा। बैच के परिणामों को संशोधित करने के साथ, विश्वविद्यालय को अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों की राज्य मेरिट सूची को भी संशोधित करना पड़ सकता है।

एक परीक्षक ने की गड़बड़ी

सूत्रों के मुताबिक यह गड़बड़ी एक परीक्षक ने की, जिसने 60 अंकों के स्थान पर कुल 10 अंकों से छात्रों का मूल्यांकन किया था। क्लर्क दिए गए अंकों को पूरे छह से गुणा करने में चूक गया और परीक्षक भी विश्वविद्यालय को अंक जमा करने से पहले इस गलती को पकड़ने में विफल रहे। एक वरिष्ठ प्रोफेसर ने कहा कि इस गड़बड़ी ने न केवल उन 46 विद्यार्थियों को प्रभावित किया जो प्रायोगिक परीक्षा में फेल रहे, बल्कि बैच के सभी विद्यार्थियों के परिणाम और योग्यता पर भी असर पड़ा है।

अंकों को संशोधित करने के लिए एमपीएमएसआइ के साथ मेडिकल कॉलेज के प्रारंभिक अनुरोध को मेडिकल विश्वविद्यालय ने खारिज कर दिया है और कॉलेज से गड़बड़ी का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र भेजने के लिए कहा है।

एचओडी सर्जरी विभाग डॉ. मनीष कौशल ने बताया कि उन्होंने प्रैक्टिकल परीक्षा के अंकों की दोबारा गणना की और तकनीकी त्रुटि पाई। हमने त्रुटि को सुधार लिया है और परिणाम को संशोधित करने के लिए एमपीएमएसयू को एक शपथ पत्र भेज रहे हैं। शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए सभी परीक्षकों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं। इनमें से एक छुट्टी पर है। हम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शपथ पत्र भेजेंगे।

चौक बाजार, इब्राहिमपुरा, नदीम रोड, लखेरापुरा में उमड़ी भीड़

ईद की खरीदी को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

भोपाल। माह-ए-रमजान अपने अंतिम पड़ाव पर है। अगले कुछ दिनों में ईद का त्योहार मनाया जाएगा। इसकी तैयारियों में अब लोग मसरूफ हो गए हैं। भोपाल शहर के विभिन्न बाजार खरीदी-बिक्री को लेकर सजे हैं। रविवार को स्थाई बाजारों के अलावा ईद के अस्थाई बाजारों में खरीदारों की भीड़ दिखाई दी। रविवार को पुराने शहर के सभी परंपरागत बाजार खुले दिखाई दिए। ईद की खरीदी बिक्री को लेकर दुकानदारों द्वारा खास स्टॉक के साथ ग्राहकों का स्वागत किया जा रहा था। शहर का चौक बाजार, इब्राहिमपुरा, नदीम रोड, लखेरापुरा रविवार को खास रौनक लिए हुए दिखाई दिए। रमजान माह में लगने वाले खास संडे मार्केट में भी रविवार को खासी भीड़ दिखाई दी। रमजान का आखिरी बाजार और ईद का त्योहार करीब होने से लोग अपनी जरूरत का सामान लेने यहां उमड़े थे। सस्ता और जरूरत का हर सामान एक ही जगह मिल जाने के चलते लोगों का हुजूम यहां दिखाई देता है।

हमीदिया समेत भोपाल टाकीज बाजार भी हुआ गुलजार

सिंधी कॉलोनी चौराहे से भोपाल टाकीज तक हर इतवार को लगने वाला सेकंड हेंड सामान का बाजार भी इन दिनों शबाब पर दिखाई दे रहा है। पुराने फर्नीचर से लेकर घरेलू उपयोग के विभिन्न सामान किफायती दाम पर मिल जाने के लिए पसंद किया जाने वाला ये बाजार रमजान के रविवारों में खास खरीदी बिक्री से सजा दिखाई दे रहा है। अल्पना तिराहे से नादरा बस स्टैंड और इससे आगे चलकर भोपाल टाकीज बाजार तक में समाहित हो जाने वाला जूते, चप्पल, कपड़े, बेल्ट, मोबाइल एक्सेसिरिज का यह बड़ा बाजार हो चुका है। रमजान माह में यहां भी खासी भीड़ बनी हुई है।

देर रात तक चलता है खरीदी का दौर

ईद की सेवइयां और शीर खुरमा तैयार करने के लिए भी लोगों ने बाजार का रुख किया है। इसके लिए मंगलवारा का थोक किराना बाजार और जुमेराती बाजार लोगों की पसंद बना हुआ है। ड्राई फ्रूट्स और ईद के विभिन्न पकवानों के लिए सामान खरीदने लोग इन बाजारों में पहुंच रहे हैं। देर रात तक यहां खरीद-फरोख्त का सिलसिला जारी रहता है। पुराने शहर के जहांगीराबाद बाजार, बाग फरहत अफजा, आरिफ नगर, टीला जमालपुरा बाजार भी ईद की खरीदी के लिए लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। शुरूआती महीने में नौकरी पेशा लोगों की जेब में सेलरी मौजूद है तो कामकाजी लोगों को भी महीने का पारिश्रमिक हाथ लग चुका है। इसके चलते लोगों ने अपनी ईद की तैयारियों को अंजाम देना शुरू कर दिया है।

बाइक सवार पर गिरा चावल से भरा ट्रक, पुलिस ने जीवित निकाला

सिटी चीफ भोपाल।
एक बार फिर यह बात सही साबित हुई कि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। आष्टा स्थित इंदौर-भोपाल रोड पर चावल से भरा एक ट्रक अचानक किलेरामा के पास अनियंत्रित होकर साइड से निकल रहे बाइक सवार पर गिर गया। इस बीच पुलिस भगवान बनकर आई और चावल की बोरियों के नीचे दबे युवक की जान बच गई।

थाना प्रभारी पार्वती चिन्मय मिश्रा को सूचना प्राप्त हुई की आष्टा के किलेरामा जोड़ पर आष्टा तरफ जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर एक बाइक के ऊपर गिर गया है। बाइक सवार राम सिंह पिता बिहारी लाल (35) निवासी सेंदुखेड़ी गांव से आष्टा तरफ आ रहा था, तभी हाईवे पर किलेरामा के पास ट्रक पलट गया। जिसमें बाइक सवार बाइक समेत दब गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि थाना पार्वती का समस्त स्टाफ मौके पर पहुंचा ओर ट्रक में लदी बोरिया बाइक के ऊपर गिरी हुई थी। जेसीबी और पोकलेन मशीन से ट्रक को उठाया और बाइक सवार को नीचे से निकाला। इसी बीच घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी आष्टा आकाश अमलकर एवं थाना प्रभारी आष्टा रविन्द्र यादव अपने स्टाफ को लेकर मौके पर पहुंचे तथा घायल को एंबुलेंस की सहायता से तत्काल सिविल अस्पताल आष्टा भेजा गया एवं प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया।

पानी में मस्ती करते दिखाई दिया हाथियों का झुंड, राहगीरों ने नजारा किया कैमरे में कैद

भोपाल। प्रदेश के उमरिया जिले बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बदलते मौसम के साथ तेज गर्मी में हाथियों का झुंड पानी में मस्ती करते हुए दिखाई दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों ने टाइगर रिजर्व के जंगलों और आसपास के गांवों में अपना ठिकाना भी बना लिया है। साथ ही जंगली हाथी लगातार पूरे क्षेत्र में अलग-अलग झुंड बना कर विचरण करते हुए अब दिखाई दिया करते हैं। वहीं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के उमरिया ताला मार्ग में भद्र शिला तालाब में हाथियों का झुंड पानी में मस्ती कर रहा था। पानी में मस्ती के बाद जंगल की ओर सभी चले गए है। उमरिया-ताला मार्ग में आने जाने वाले राहगीरों ने मस्ती का आनंद भी लिया और वीडियो बना लिया है। जहां हाथियों के पानी में मस्ती करने का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

पुलिस ने कोर्ट में दिया आरजीपीवी के फरार आरोपी की संपति कुर्की का आवेदन

सिटी चीफ भोपाल।
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में घोटाला करने वाले फरार आरोपियों की संपत्ति कुर्की को लेकर पुलिस ने कोर्ट में आवेदन लगाया है। आरजीपीवी में 19.48 करोड़ के आर्थिक अनियमितताओं के मामले में एसआईटी ने एक्सिस बैंक, पिपरिया के ब्रांच मैनेजर राम रघुवंशी और दलित संघ सोहागपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुनील सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया है। दलित संघ के खाते में 9.50 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे। यह राशि तत्कालीन ब्रांच मैनेजर कटारा हिल्स राम रघुवंशी ने ट्रांसफर कराए थे। जबकि सुनील ने दलित संघ के खाते से करीब 7 लाख रुपए निकाले थे। आरोपी तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत, तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार गुप्ता और तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा का पुलिस सुराग नहीं लगा सकी है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने उन पर 30-30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। साथ ही इन तीनों के घर पर लगातार पुलिस छापामार कार्रवाई कर उनके परिजन से पूछताछ कर रही है,लेकिन वह पुलिस को गुमराह कर रहे हैं। इसके लिए पुलिस इन फरार आरोपितों की संपत्ति कुर्की करने की कार्रवाई करने का आवेदन पुलिस ने कोर्ट में लगा दिया है। उस पर प्रक्रिया चालू हो गई है।

3 मार्च को दर्ज हुआ था केस

गांधी नगर पुलिस ने 3 मार्च को तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार गुप्ता, तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत, तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा, कुमार मयंक, दलित संघ सोहागपुर एवं अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने षडयंत्रपूर्वक धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। एसआइटी ने पिपरिया एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर राम रघुवंशी को छह अप्रैल को गिरफ्तार किया है। राम के द्वारा की कुमार मयंक का खाता खोला गया था। उनके द्वारा ही कटारा हिल्स ब्रांच से आरजीपीवी के खाते से 9.50 करोड़ रुपये दलित संघ के खाते में ट्रांसफर किए थे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ 11 को रीवा-सतना दौरे पर

लोकसभा क्षेत्रों में करेंगे चुनाव प्रचार

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व प्रदेश के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के प्रवास पर रहेगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 अप्रैल को रीवा और सतना प्रवास पर रहेंगे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 अप्रैल को रीवा और सतना जिलों के प्रवास पर रहेंगे। वे दोपहर 12 बजे रीवा जिले की देवतालाब विधानसभा के देवतालाब ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे सतना जिले की नागौद विधानसभा के अंगोला ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

नौनिहालों के कंधे पर बस्ते का बोझ, दूसरी कक्षा का बच्चा ढो रहा सात किलो का बस्ता

सिटी चीफ भोपाल।
स्कूल शिक्षा विभाग ने भले ही बैग पालिसी बना दी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अभी भी बेपरवाह ही हैं। वे अब तक स्कूल बैग पालिसी-2020 का पालन नहीं करा पाए हैं। हर साल की तरह इस साल भी आदेश जारी कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया गया। नतीजा, छोटे-छोटे बच्चे भारी बस्ते का वजन ढोने को मजबूर हो रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दूसरी-तीसरी कक्षा के बच्चे करीब सात से आठ किलो का वजन ढो रहे हैं, जबकि नियमानुसार यह वजन दो से ढाई किलो का होना चाहिए। बता दें कि बस्ते के वजन को कम करने के लिए करीब दो साल पहले सितंबर 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन पालन अभी तक नहीं किया जा सका है। हालांकि दो-तीन स्कूलों ने जरूर प्राइमरी कक्षाओं में इस पालिसी को लागू किया है। नोटिस बोर्ड पर वजन का चार्ट नहीं प्रत्येक स्कूल को नोटिस बोर्ड एवं कक्षा में बस्ते के वजन का चार्ट लगाना है, लेकिन किसी भी स्कूल ने यह चार्ट नहीं लगाया है। विभाग ने विद्यार्थियों के बस्ते का वजन तय कर दिया है। नियमों के अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) व जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को प्रत्येक तीन माह में विद्यार्थियों के स्कूल बैग की जांच करना है। जांच में बैग का वजन निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने पर स्कूल पर कार्रवाई करने का भी नियम है, लेकिन अभी तक कहीं जांच ही नहीं की गई है। यह कहती है बैग पालिसी सप्ताह में एक दिन बैग विहीन दिवस किया गया है। इस दिन कार्यानुभव से संबंधित गतिविधियां कराई जाएंगी। दूसरी कक्षा तक के बच्चों को होमवर्क नहीं दिया जाएगा। तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह दो घंटे का गृह कार्य दिया जाए। छठवीं से आठवीं तक प्रतिदिन एक घंटे और नौवीं से 12वीं तक प्रतिदिन दो घंटे का ही गृह कार्य दिया जाए ।

20 लाख की वसूली होने पर सूचनाकर्ता के बैंक खाते में जमा की गई पुरस्कार की राशि

बिजली चोरी की सूचना देने पर दो लाख का इनाम

सिटी चीफ भोपाल।
बिजली चोरी रोकने के लिए कंपनी अब लोगों की मदद ले रही है। बिजली चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को कंपनी दो लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित करेगी। साथ ही उनका नाम भी गोपनीय रखा जाएगा।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि पारितोषिक योजना में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लगभग 55 प्रकरणों में सूचना प्राप्त होने के बाद 27 प्रकरणों में, अवैध बिजली की चोरी पाए जाने पर, बिल की राशि 20 लाख रुपए की शत-प्रतिशत वसूली होने पर, लगभग दो लाख रुपये की पुरस्कार की राशि संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक खाते में सीधे जमा की गई है।

कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज द्विवेदी ने बताया कि कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल पर दे सकता है। हाल ही में कंपनी की वेबसाईट पर आनलाईन सूचना देने की व्यवस्था की गई है। सफल सूचनाकर्ता को अथवा उपभोक्ता को विद्युत चोरी की क्षतिपूर्ति की पूर्ण राशि जमा होने पर, बिल की राशि के 10 प्रतिशत की राशि को पुरस्कार राशि के रुप में दिए जाने की योजना जनवरी 2019 से प्रचलन में है।उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सूचनाकर्ता के संबंध में जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय, वृत्त स्तर के अधिकारियों को जो शिकायतें प्राप्त होती है, उन शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के लिए कंपनी मुख्यालय के द्वारा सतत रूप से निगरानी रखी जाती है। फर्म, एजेंसी, संगठन भी सूचनाकर्ता हो सकते है, जिन्हें कंपनी मुख्यालय में पदस्थ नोडल अधिकारी के माध्यम से पंजीकरण कराना आवश्यक है।

पोर्टल या उपाय एप पर देनी होगी सूचना

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इनाम योजना सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पुरस्कार देने का प्रविधान है। सूचना के आधार पर राशि वसूली होने पर सफल सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। सूचनाकर्ता को प्रोत्साहन राशि कंपनी मुख्यालय द्वारा सीधे सूचनाकर्ता के बैंक खाते में जमा की जाएगी। प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने वाले विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी ढाई प्रतिशत राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से आनलाइन किया गया है सूचनाकर्ता उपाय एप और पोर्टल पर बिजली चोरी की सूचना दे सकता है।

साम्पदकीय

संकट की दस्तक तबाही ला सकती हैं ग्लेशियर झीलें

एक ओर जहां झीलों से जल निकासी के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, वहीं ड्रिल करके पानी को नियंत्रित करने पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा भूमिगत पानी के साथ मिलाने के लिये भूमिगत टनल बनाने पर भी मंथन हो रहा है। निस्संदेह,यह एक गंभीर पर्यावरणीय संकट हैं और छह राज्यों के करोड़ों लोग इस संकट से प्रभावित हो सकते हैं। पिछले साल सिक्किम में लहोनक ग्लेशियर झील फटने की घटना पुरानी नहीं है जिसमें 180 लोगों के मरने व पांच हजार करोड़ के नुकसान की खबर थी। इसी तरह केदारनाथ में चौराबाड़ी ग्लेशियर झील फटने से हजारों लोगों की जल प्रलय में मौत हुई थी। 2021 में उत्तराखंड की नीति घाटी में ग्लेशियर झील फटने से दो सौ लोगों के मरने समेत डेढ़ हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। अब हिमालय पर्यावरण विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि देश के हिमालय क्षेत्र में आने वाले राज्यों में खतरनाक किस्म की 188 ग्लेशियर झीलें बन चुकी हैं, जो किसी बड़े भूकंप आने पर लाखों लोगों के जीवन पर घातक प्रभाव डाल सकती हैं। यूं तो सबसे ज्यादा खतरे की वजह पूर्वोत्तर की झीलें हैं, लेकिन खतरा कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में भी लगातार बना हुआ है। दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले डिजास्टर मैनेजमेंट डिवीजन और हिमालय अध्ययन विशेषज्ञों की टीम द्वारा किए गए एक साल की स्टडी के बाद जो निष्कर्ष सामने आए हैं वे चिंता में डालने वाले हैं। दरअसल, अब ग्लोबल वार्मिंग का वास्तविक खतरा सामने दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ते तापमान से हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पहाड़ों में बर्फ पिघलने से बने जल को निकासी का रास्ता न मिलने पर ये बर्फीला पानी झीलों के रूप में एकत्र हो जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि यदि इन संवेदनशील इलाकों में सात तीव्रता जैसा भूकंप आता है तो ये झीलें जल बम बनकर फूट सकती हैं। इससे छह राज्यों की करीब तीन करोड़ आबादी प्रभावित हो सकती है। दरअसल, इस हालिया अध्ययन में बताया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते इन हिमालयी क्षेत्रों में 28 हजार से अधिक झीलें बन गई हैं। जिसमें 188 ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन संवेदनशील झीलों को ए श्रेणी में रखा गया है। इन इलाकों में ग्लेशियरों के पिघलने व खिसकने का खतरनाक ट्रेंड देखा गया है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों की पिघलने की दर 15 प्रतिशत बढ़ गई है। जो हमारे लिए गंभीर चेतावनी का कारण बन रही है। केंद्र सरकार के अधिकारी और पर्यावरण विशेषज्ञ ग्राउंड जीरो व उपग्रहों के जरिये इन झीलों की बराबर निगरानी कर रहे हैं। इन इलाकों में स्वचालित मौसम निगरानी केंद्र बनाये गए हैं। इस दिशा में मंथन किया जा रहा है कि कैसे इन खतरनाक झीलों का पानी आधुनिक तरीकों से रिलीज किया जाए। एक ओर जहां झीलों से जल निकासी के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, वहीं ड्रिल करके पानी को नियंत्रित करने पर भी विचार हो रहा है। इसके अलावा भूमिगत पानी के साथ मिलाने के लिये भूमिगत टनल बनाने पर भी मंथन हो रहा है। निस्संदेह,यह एक गंभीर पर्यावरणीय संकट हैं और छह राज्यों के करोड़ों लोग इस संकट से प्रभावित हो सकते हैं। दरअसल, झील के फटने पर मिट्टी व भारी मलबा ढलान पर गोली की तरह उतरता है, जो भारी तबाही का कारण बन सकता है।

विकसित भारत की दरकार है खुशहाली

हमें यह ध्यान रखना होगा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित देश बनाने के लिए सरकार के द्वारा आम आदमी की प्रति व्यक्ति आय और खुशहाली बढ़ाने के लिए जो व्यय किए जाते हैं, वे उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जिस तरह सरकार के द्वारा बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश लाभप्रद होता है। उम्मीद है सरकार रणनीतिक रूप से कारगर प्रयासों की राह पर आगे बढ़ेगी।

यद्यपि जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में दो माह बाकी हैं, लेकिन 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के तहत आम आदमी की खुशहाली बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर अभी से प्रशासनिक स्तर पर रणनीति बनाई जाना शुरू हो गई है। देश के आम आदमी के जीवन स्तर में वृद्धि, गरीबी में कमी, रोजगार के मौके बढ़ाने जैसे विभिन्न मुद्दों पर अधिक प्रयासों से ही देश खुशहाली के उस स्तर पर पहुंच सकता है, जोकि विकसित भारत की महत्वपूर्ण दरकार है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 21 मार्च को प्रकाशित विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 को भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है, जिसमें 143 देशों में भारत को 126वां स्थान दिया गया है। गौरतलब है कि विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 के तहत सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण जैसे कारकों के आधार पर विश्व भर के देशों का आकलन कर रैंकिंग तैयार की गई है। पिछले वर्ष भी इस रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर था। इस रैंकिंग में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश है। नॉर्डिक देश खुशहाली सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। इनमें डेनमार्क और आइसलैंड ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया है। स्वीडन चौथे नंबर पर है। यद्यपि इस वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद दुनिया के कोने-कोने से लोग इसे अतार्किक और अविश्वसीय बनाते हुए टिप्पणियां कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यूरोपीय विद्वानों के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदण्डों पर आधारित खुशहाली की रैंकिंग देने वाली यह सूची भ्रमित करने वाली है। इस रैंकिंग पर भरोसा नहीं होता है। इस खुशहाली की रैंकिंग में भारत से चार पायदान ऊपर 122वें पर स्थित पाकिस्तान दुनियाभर में महंगाई, ऋणग्रस्तता, धार्मिक आजादी व लोकतांत्रिक चुनौती से ग्रस्त ऐसे देश के रूप में चर्चित है जिस देश की सत्ता में सांप्रदायिक कट्टरपंथी जमात अग्रिम पंक्ति में है। कदम-कदम पर धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। इतना ही नहीं, फिलिस्तीन के साथ निर्मित युद्ध से जिस देश के हजारों लोगों के चेहरों पर निराशाएं दी हैं, उस इजराइल को दुनिया का पांचवां सबसे खुशहाल देश बताया गया है। इतना ही नहीं, युद्ध से पीड़ित क्षतिग्रस्त, हजारों मौतों का सामना कर रहा रूस 72वें, फिलस्तीन 103वें तथा यूक्रेन 105वें क्रम पर है। ये देश पीड़ाओं, निराशाओं व युद्ध के बावजूद भारत से अधिक खुशहाली की रैंकिंग दर्शा रहे हैं। इस विश्व खुशहाली रिपोर्ट में बेमेल गणनाएं की गई हैं। इस सूची के तहत दुनिया की सबसे अधिक आबादी रखने वाले भारत और भारत की आबादी से एक फीसदी से भी बहुत कम आबादी रखने वाले देशों की जनसंख्या चुनौतियों व समस्याओं के मद्देनजर तुलनाएं करते हुए भी खुशहाली की गणना की गई है। प्रश्न यह है कि भारत जैसे दुनिया की बड़ी आबादी के साथ दुनिया के सातवें सबसे बड़े भूभाग रखने वाले भारत की तुलना दुनिया के छोटे-छोटे कम आबादी व कम चुनौतियां रखने वाले देशों से कैसे की जा सकती है? खुशहाली को महज आर्थिक प्रगति और संसाधनों की अधिकता के मद्देनजर देखा जाना उपयुक्त नहीं है। जिन कई देशों को दुनिया के अधिक खुशहाल देश बताया गया है, वहां आबादी बहुत कम है, चुनौतियां भी बहुत कम हैं तथा धार्मिक विद्वेष भी नहीं हैं। ऐसे कई छोटे देशों की सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। ऐसे देशों की तुलना बड़ी-बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे विशाल देशों से कैसे की जा सकती है? इस वैश्विक खुशहाली सूची में भारत के संबंध में कुछ ऐसे विश्व स्तर पर चमकीले परिदृश्य को ध्यान में नहीं रखा गया है जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक सहित दुनिया के कई आर्थिक-सामाजिक संगठन अपने शोध पत्रों के आधार पर भारत में नए प्रयासों की सराहना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मानव विकास के तहत गरीबी में कमी लाने के प्रयास को भारी सफलता मिली है। पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। पूरी दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत आम आदमी को डिजिटल दुनिया से जोड? वाला दुनिया का प्रमुखतम देश है। भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। भारत में सरकार के द्वारा गरीबों व किसानों के बैंक खातों में सीधे 32 लाख करोड़ से अधिक धनराशि भेजकर उनका सशक्तिकरण किया गया है। चाहे खुशहाली की सूची में विभिन्न देशों की रैंकिंग अनुचित और अन्यायपूर्ण ढंग से की गई है, लेकिन हमें भारत में आम आदमी के आर्थिक कल्याण, आम आदमी की आमदनी बढ़ाने तथा खुशहाली के विभिन्न पैमानों पर बहुत आगे बढ़ने के लिए अभी मीलों चलना है। हमें भारत में खुशहाली बढ़ाने व आय असमानता के बड़े अंतर को कम करने के लिए बड़े प्रयास करने हैं। 21 मार्च को प्रकाशित न्यूयार्क यूनिवर्सिटी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022-23 में भारत की कुल आय का 22.6 फीसदी हिस्सा सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के पास गया। वर्ष 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 39.5 फीसदी हिस्सा था, जबकि सबसे गरीब 50 फीसदी आबादी के पास केवल 6.5 फीसदी हिस्सा था। यह परिदृश्य बताता है कि भारत में असमानता बढ़ी है। स्टडी में कहा गया है कि भारत में संपत्ति टैक्स सिस्टम प्रतिगामी है, जिसका अर्थ है कि अमीर लोग अपनी संपत्ति के अनुपात में कम टैक्स दे रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बड़े निवेशों को फंड करने के लिए टैक्स शेड्यूल में बदलाव करके आय और धन दोनों को टैक्स योग्य बनाया जाना होगा। हमें देश में मानव विकास के विभिन्न पैमानों पर तेजी से आगे बढ? पर ध्यान देना होगा। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) रिपोर्ट 2022 में भारत 193 में से 134वें स्थान पर है। यद्यपि भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की एचडीआई-2021 रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है। भारत पिछले 34 वर्षों से 131 से 135वें स्थान पर झूल रहा है। एचडीआई का तात्पर्य मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों- लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा तक पहुंच और सभ्य जीवन स्तर में औसत उपलब्धियों के आकलन से है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने नए मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहा है। पिछले एक वर्ष में भारतीयों की औसत आमदनी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत में जीवन प्रत्याशा में शानदार वृद्धि हुई है। एक वर्ष पहले भारत में जीवन प्रत्याशा का औसत 62.2 था जो अब बढकर 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी प्रगति प्रदर्शित की है। भारत में लिंग असमानता सूचकांक वैश्विक औसत से बेहतर है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित देश बनाने के लिए सरकार के द्वारा आम आदमी की प्रतिव्यक्ति आय और खुशहाली बढ़ाने के लिए जो व्यय किए जाते हैं, वे उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जिस तरह सरकार के द्वारा बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश लाभप्रद होता है। हम उम्मीद करें कि देश में करोड़ों लोगों की गरीबी, भूख, कुपोषण, डिजिटल शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, ग्रामीण युवाओं के तकनीकी प्रशिक्षण और स्वास्थ्य की चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार रणनीतिक रूप से, हरसंभव तरीके से कारगर प्रयासों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

पश्चिम बंगाल की राजनीतिः आग से खेलतीं दीदी..., लाठी के जोर पर लोकतंत्र कायम रखना चाहती हैं सीएम ममता बनर्जी

लोकसभा की 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में चुनावी कोलाहल कुछ ज्यादा ही सुनाई पड़ रहा है। छोटा संदेशखाली कहे जा रहे पूर्व मिदनापुर के भूपतिनगर में छह अप्रैल को एनआईए की टीम पर हमले ने साफ कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की मशीनरी किस तरह ध्वस्त हो गई है। वर्ष 2022 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक तृणमूल नेता के घर बम विस्फोट हुआ और तीन लोगों के चीथड़े उड़ गए। दो घायल फरार हो गए थे। एनआईए को तभी से उन दोनों की तलाश थी। एनआईए को जांच का जिम्मा कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया था। कई बार समन भेजने के बावजूद ये आरोपी हाजिर नहीं हो रहे थे। सफाई देते हुए पांच अप्रैल की सभा में ममता ने उस विस्फोट को पटाखे का विस्फोट बताया। सवाल है कि क्या पटाखा फटने से शरीर के अंग डेढ़ किलोमीटर दूर जा सकते हैं। हद तो तब हो गई, जब मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि लोगों ने वही किया, जो करना चाहिए था। बंगाल पुलिस ने तो एनआईए की टीम पर ही महिलाओं से छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया। संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है। ममता सरकार ने संदेशखाली में कैंप लगाकर जिन लोगों की हड़पी गई जमीनें वापस लौटाईं, उन पर शाहजहां की गिरोह के दूसरे लेयर के उपद्रवी कब्जा नहीं करने दे रहे। आज भी पुलिस के असहयोग का आलम यह है कि बलात्कार पीड़ित महिलाएं घूंघट में आकर कलकत्ता हाईकोर्ट में बयान दर्ज करा रही हैं।

कई कारणों से सिर्फ बशीरहाट सीट का जनादेश पूरे बंगाल का भविष्य इंगित करेगा। इसी निर्वाचन क्षेत्र में संदेशखाली है, जहां की डरावनी कहानियां झकझोर देती हैं। हिंदी में ठीक-ठाक बात करने में सक्षम रेखा पात्रा को तृणमूल ने बाहरी मान लिया है। वैसे, तृणमूल हिंदी बोलने वालों को बाहरी ही कहती रही है। कुछ साल पहले आसनसोल में एक चुनावी सभा में ममता ने हिंदी भाषियों को अतिथि कहा था। ऐसे माहौल में, भाजपा ने सही दांव चलते हुए संदेशखाली की पीड़ितओं को एकजुट करने वाली रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, ताकि पूरे चुनाव में महिला सम्मान का विमर्श जिंदा रहे। ममता की बड़ी ताकत राज्य की 49 प्रतिशत महिला वोटर हैं। इस सीट पर तृणमूल ने मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक बार सांसद रह चुके हाजी नुरुल इस्लाम को टिकट दिया है, जिन पर वर्ष 2010 में इसी इलाके में दंगे भड़काने का आरोप लगा था। अभी चार अप्रैल को उत्तर बंगाल की चुनावी सभा में ममता ने लोगों से कहा कि वे दंगा न करें, और दंगा न होने दें। रामनवमी से ठीक पहले यह संदेश जारी करने की क्या जरूरत थी? बशीरहाट का बड़ा हिस्सा सुंदरबन के जंगलों व टापुओं पर बनी बस्तियों से घिरा है। यहां साढ़े 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें करीब 87 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 46.3 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अनुसूचित जाति के करीब 25.4 प्रतिशत लोग हैं और रेखा पात्रा इसी समुदाय से हैं। पिछले दो महीनों से इलाके की महिलाओं के लक्ष्मी भंडार के रुपये खातों में नहीं आ रहे हैं। इन महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए पूछा कि क्या यह राशि तृणमूल दे रही है? इन मेहनतकश महिलाओं के प्रति किसी की ममता अगर नहीं छलकती है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? सात अप्रैल को उत्तरबंगाल के धूपगुड़ी में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि अपराधियों को बचाने के लिए तृणमूल सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर हमले करवा रही है। मुख्यमंत्री होकर राष्ट्र से लड़ने का दुस्साहस दीदी को भारी पड़ सकता है। कई बार शक होता है कि कहीं ममता खुद ही राज्य को राष्ट्रपति शासन की ओर तो नहीं ले जा रही हैं, ताकि क्षेत्रीयता का बवंडर उठाया जा सके? हालांकि भाजपा ऐसा %मौका% नहीं देने के पक्ष में है।

राम के बिना भारतीय संस्कृति की कल्पना अधूरी

यानी जो कण-कण में बसे, वही राम हैं। भारतीय संस्कृति राम के बिना अधूरी है। भगवान राम हमारी विराट भारतीय संस्कृति के केवल आदर्श नहीं, बल्कि राम संस्कृति ही भारतीय संस्कृति, मानवीय संस्कृति और विश्व संस्कृति है। राम का आदर्श जीवन हमारी भारतीय संस्कृति का ऐसा दिव्य प्रभामंडल है, जो समस्त राष्ट्र और विश्व को आलोकित करता रहेगा। दरअसल, देखा जाए तो राम मात्र भारतीय संस्कृति के प्राण पुरुष नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति के महानायक भी हैं। वे इस देव संस्कृति के नायक हैं। भले राम के जीवनकाल को समाप्त हुए सहस्त्र वर्ष से अधिक का समय बीत हो गया हो, लेकिन भारतीय जनमानस में आज भी राम जीवंत हैं। भारतीय संस्कृति में राम का महत्व सदियों-सदियों से विद्यमान है। राम को धर्म, जाति, देश और काल तक सीमित नहीं किया जा सकता। राम दुनिया की महाशक्ति हैं। जीवन की प्रत्येक समस्या के निवारण का रहस्य राम नाम में निहित है। राम देश के गौरव, संस्कृति की पहचान और स्वाभिमान भी हैं। राम के चरित्र में गंभीरता, विचारशीलता, साहस और बड़ों को दिया जाने वाला सम्मान है। अटक से कटक तक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश राम नाम में रचा बसा है। लोक के राम और भारत सुदूर उत्तर पूर्व के मणिपुर में रामानंदी संप्रदाय में रामकथा का प्रचलन सदियों से है। वहां दशहरे को रामणकप्पा यानी रावण के वध का दिन मनाते हैं। सन् 1467 में मणिपुर के राजा कियांबा को बर्मा (अब म्यांमार) के पोंग राजा खेखोंभा ने भगवान विष्णु की मूर्ति भेंट की थी, तब राजा कियांबा ने रामानंदी संप्रदाय का व्यापाक प्रचार-प्रसार शुरू कराया था। असम में रामकथा लोक संस्कृति, लोकनाट्य, चित्रकला, काव्य में है। यहां राम भौतिकवादी युग में तनाव से मुक्ति का एक साधन हैं तो उड़ीसा में उड़िया भाषा में रामलीला का मंचन होता है। जगन्नाथ पुरी में रामनवमी को भव्य रूप से मनाया जाता है और रामानुज संप्रदाय का एम्मार मठ यहीं पर स्थित है।

बुंदेलखंड के प्रसिद्ध दीवार नृत्य में राम का प्रभाव है। ब्रज में भले कृष्ण लीला होती है, लेकिन यहां रामलीला का मंचन उतना ही लोकप्रिय है। बिहार में मिथिलांचल की चित्रकारी में राम हैं तो राजस्थान के मेवाड़, कोटा, बूंदी, अलवर, बीकानेर और जयपुर में रामचरित्र मानस और वाल्मीकि रामायण के आधार पर अद्भुत चित्र देखने को मिल जाते हैं। राजस्थानी लोकगीतों में राम के चरित्र का गायन है। दक्षिण भारत में कर्नाटक के हर घर में रामप्पा, रामयप्पा, रामचंद्रया, रामाचंद्रप्पा, रामचंद्र राव, रामराव जैसे नाम घर-घर में मिल जाएंगे। कर्नाटक के लोक संगीत में रामप्रिय और रघुप्रिय राग हैं। कन्नड़ गीतों, लोक परंपरा और त्योहारों में राम की संस्कृति का प्रभाव है। यक्षगान और नृत्य में रामकथा का मंचन होता है। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में जटायू ने रावण से युद्ध किया तो पंचवटी गोदावरी नदी के तट पर शबरी का आश्रम है। यहां किष्किंधा पर्वत पर सुग्रीव और राम की मित्रता हुई थी। केरल और तमिलनाडु में राम का प्रभाव साफ-साफ दिखता है। भले यहां रावण, मेघनाथ और कुंभकरण का पुतला नहीं जलाया जाता हो, लेकिन दशहरा पर रामायण का पाठ होना अनिवार्य है।

तमिल की कम्ब रामायण को आदर के साथ पढ़ा जाता है। केरल में रामकथा गाकर पंडारण जाति अपनी आजीविका को चलती है, जिसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। केरल में कच्चू रामन, कच्चूरामन, रामपुरम, रामनगरी, रामनाट्यपुरम जैसे कई स्थान हैं। समस्त भारत में पग-पग पर राम बसे हैं। राम हमारी संस्कृति में रच-बस गए हैं। राम का नाम दुनिया की महाऔषधि है। हर परेशानी का हाल राम नाम में निहित है। राम का नाम हमें ब्रह्म सुख की अनुभूति कराता है। राम हमारी संस्कृति के राजा भी हैं, आदर्श पुत्र भी हैं और श्रेष्ठ वनवासी भी हैं। हमारी संस्कृति की कल्पना राम के बिना अधूरी है।

अर्धांगिनी के जन्मदिन पर बिग बी ने लिखा नोट, जया बचन को मिली शुभकामनाओं के लिए जताया आभार

जया बचन आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। बचन परिवार में खुशियों का माहौल है और 9 अप्रैल की रात को पूरा परिवार इकट्ठा हुआ। इसकी जानकारी खुद अमिताभ बचन ने साझा की है। अमिताभ बचन सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करने के साथ-साथ नियमित ब्लॉग भी लिखते हैं। अपने आज मंगलवार के ब्लॉग में बिग बी ने अपनी पत्नी और दिग्गज अदाकारा जया बचन के लिए जन्मदिन पर एक नोट लिखा है।

सभी का जताया आभार अमिताभ बचन ने ब्लॉग में लिखा है, इस दिन हम आपको शुभकामनाएं देते हैं... परिवार की ओर से बधाई और प्यार..। उन्होंने आगे लिखा, यह एक और परिवार के जन्म की सुबह है, जिसके लिए किसी स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है। आज अर्धांगिनी का जन्मदिन है और उनके लिए मिली सभी शुभकामनाओं के लिए तहे दिल से आभार। आधी रात को पूरा परिवार एक साथ इकट्ठा हुआ।

खूब हिट रही बिग-बी और जया बचन की जोड़ी जया बचन के करियर की बात करें तो उन्होंने अपना डेब्यू बंगाली फिल्म महानगर से किया था। उस वक्त जया की उम्र महज 15 साल थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। गुड्डी से लेकर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी तक जया बचन ने अलग-अलग किस्म के किरदार अदा किए हैं। अमिताभ बचन और जया बचन की जोड़ी असल जिंदगी के साथ-साथ पर्दे पर भी खूब पसंद की गई। दोनों ने अभिमान, शोले, जंजीर और कभी खुशी कभी गम समेत कई फिल्मों में साथ काम किया है। आज भी फैंस फिल्मों में इन्हें साथ देखने के लिए बेकरार हैं।

इस राजनीतिक पार्टी से जुड़ी हैं जया अमिताभ बचन और जया बचन ने 3 जून 1973 को शादी रचाई। अभिनेत्री फिल्मों के बाद अब राजनीति में भी सक्रिय हैं। वह समाजवादी पार्टी से रायसभा सदस्य हैं। रायसभा सदस्य के रूप में यह उनका पांचवा कार्यकाल है। इसके अलावा जया बचन अक्सर अपनी टिप्पणियों को लेकर भी चर्चा बटोरती हैं। हाल के दिनों में वह अपनी नातिन नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट में कई जरूरी मुद्दों पर चर्चा करती नजर आई हैं।

वर्षों बाद शेखर सुमन ने अध्ययन और कंगना के रिश्ते पर की बात, कभी की थी अभिनेत्री की जमकर आलोचना

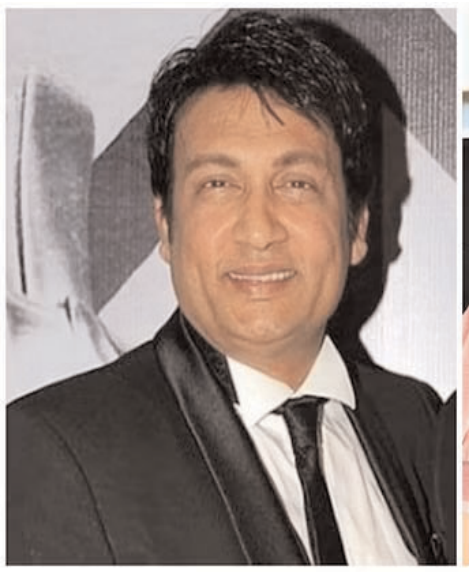

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी- द डायमंड बाजार साल की बहुप्रतीक्षित वेब-सीरीज में से एक है। इस सीरीज के जरिए संजय लीला भंसाली ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। इस सीरीज में अध्ययन सुमन और शेखर सुमन भी नजर आएंगे। हाल ही में शेखर ने अध्ययन सुमन और कंगना रणौत के रिश्ते के बारे में बात की है। दोनों की मुलाकात 2008 में राज- द मिस्ट्री कंटिन्यू के सेट पर हुई थी। एक साल तक डेट करने के बाद इनका रिश्ता टूट गया था। उन्होंने अभिनेत्री पर काला जादू करने का आरोप लगया था। शेखर सुमन ने हाल ही में बेटे अध्ययन सुमन और कंगना रणौत के रिश्ते पर बात करते हुए कहा, हम सभी जीवन में विभिन्न चरणों से गुजरते हैं। आज जो सही लगता है, हो सकता है कि वह कल सही ठीक न लगे और इसके विपरीत भी। कोई भी रिश्ता बनाना, ब्रेकअप करना और बस आगे बढ़ना नहीं चाहता। हर कपल अपने रिश्ते को स्थायी चाहता है। क्योंकि ये काफी गहरा रिश्ता होता है। उन्होंने कंगना और अध्ययन के असफल रिश्ते के लिए नियति को दोषी ठहराया। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि सभी को अपने पिछले रिश्तों को प्यार से देखना चाहिए। अभिनेता ने कहा, भाग्य की कई भूमिकाएं होती हैं, जिनका आपको अनुसरण करना होता है। कंगना और अध्ययन जब साथ थे तो खुश थे और फिर अपने-अपने रास्ते चले गए। ऐसा होना तय था इसलिए एक-दूसरे के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है। कभी-कभी चीजें आवेश में आ जाती हैं, लेकिन व्यक्ति को पीछे मुड़कर प्यार से देखना चाहिए। कंगना के राजनीति में शामिल होने पर अपनी राय रखते हुए शेखर ने कहा, हम इस पर टिके नहीं हैं, न तो परिवार और न ही अध्ययन। यह उनके जीवन का एक चरण था। हम कौन होते हैं टिप्पणी करने वाले और निर्णय देने वाले? हम अपने रास्ते पर चले गए हैं और हर कोई अपनी खुशी और संतुष्टि के लिए काम कर रहा है। अध्ययन सुमन और कंगना रणौत के ब्रेकअप के बाद शेखर अक्सर सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की आलोचला करते थे। उन्होंने अपने एक पुराने ट्वीट में कहा था, एक कोकीन वाली अभिनेत्री। वहीं, कंगना की सिमरन के असफल होने के बाद शेखर ने कहा था, इतना हंगामा, इतना शोर शराबा, नतीजा? खोदा पहाड़..निकली चुहिया।

सुचित्रा का खुलासा, फिल्म के रीमेक में अपनी बेटी से निभवाना चाहती हैं अपना किरदार

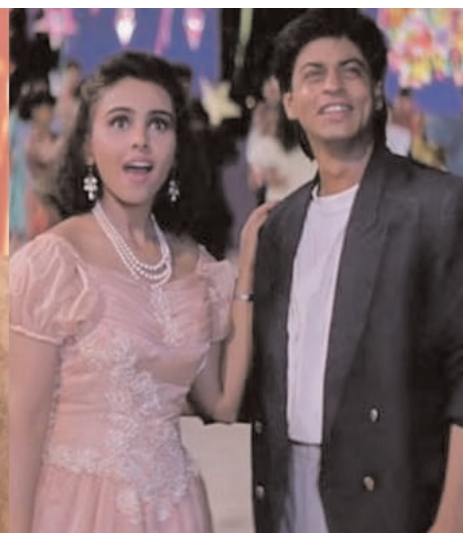

फिल्म कभी हां कभी ना अभिनेता शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्मों में से एक है। इस साल फरवरी में फिल्म को रिलीज हुए 30 साल पूरे हो गए थे। शाहरुख के किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। फिल्म कभी हां कभी ना एक बार फिर से सुर्खियों में हैं।

मेरी बेटी निभाएं मेरी भूमिका दरअसल, फिल्म में शाहरुख खान की सह-कलाकार सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कभी हां कभी ना के रीमेक को लेकर दिलचस्प बात बताई हैं। सुचित्रा ने कहा कि उनकी यह इछा है कि इस फिल्म के रीमेक में उनकी बेटी कावेरी उनका किरदार निभाए। बता दें कि सुचित्रा ने इस फिल्म में अन्ना नाम की लड़की का किरदार अदा किया था।

आर्यन खान को निभाना चाहिए अपने पिता का किरदार सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने इससे पहले शाहरुख खान के किरदार को लेकर भी बात की थी। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि अगर फिल्म कभी हां कभी ना का रीमेक बनता है, तो इसमें शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को अपने पिता का किरदार निभाना चाहिए। शाहरुख ने इस फिल्म में सुनील का किरदार निभाया था।

सुचित्रा ने वरुण और आलिया का भी लिया था नाम अभिनेत्री सुचित्रा फिल्म कभी हां कभी ना के रीमेक पर अलग-अलग साक्षात्कारों में कई बार बात कर चुकी हैं। एक पुराने साक्षात्कार में उन्होंने फिल्म की कास्टिंग पर कहा था कि वरुण धवन और आलिया भट्ट को मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। इतना कहते ही उन्होंने अपनी बात में यह भी जोड़ दिया था कि वे दोनों जवान लड़के और लड़की का किरदार निभाने के लिए सही नहीं रहेंगे।

इन दिनों क्या कर रहे हैं आर्यन और कावेरी आर्यन खान अपनी वेब सीरीज स्टारडम पर काम कर रहे हैं। वे इससे निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इसकी शूटिंग जारी है। इस वेब सीरीज में बॉबी देओल काम करते नजर आएंगे। इसका निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। वहीं, सुचित्रा की बेटी कावेरी जल्द ही मासूम फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म साल 1983 में आई इसी नाम की फिल्म का रीमेक है, जिसका निर्देशन कावेरी के ही पिता शेखर कपूर ने किया था।

क्रू का बनेगा पार्ट 2, जल्द शुरू होगी शूटिंग, रिया कपूर ने किया कंफर्म

फिल्म क्रू की सह निर्माता रिया कपूर ने फिल्म क्रू के दूसरे भाग के बनने की खबर को सही बताया है। रिया कपूर की फिल्म क्रू के दूसरे भाग में करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की तिकड़ी फिर से धमाल मचाएगी। रिया कपूर का कहना है कि, उन्हें सीक्वल के नाम से डर लगता है। लेकिन फिल्म क्रू के बॉक्सऑफस पर नजर डाले तो इस फिल्म का दूसरा भाग जरूर बनेगा। वहीं निर्देशक राजेश ए कृष्णन से फैंस लगातार शिकायत कर रहे है कि धमाकेदार और कॉमेडी से भरपूर फिल्म क्रू को थोड़ा और लंबा होना चाहिए था। फिल्म की कहानी से लेकर गाने तक फैंस को बंहद पसंद आ रहे हैं।

क्रू के दूसरे भाग की स्टारकास्ट अनिल कपूर, रिया कपूर, एकता कपूर और दिग्विजय पुरोहित क्रू के निर्माता हैं। इस फिल्म को बालाजी मोशन पिक्चर्स और अनिल कपूर फिल्म कम्युनिकेशन एंड नेटवर्क के तहत बनाया गया था। इस फिल्म के दूसरे भाग के निर्देशन की जिम्मेदारी राजेश ए कृष्णन ही संभालेंगे। वहीं फिल्म के दूसरे भाग में अभिनेताओं और अभिनेत्रियों की बात करे तो फिल्म में करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की होने की पुष्टि खुद रिया कपूर ने की है। वहीं कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

रिया कपूर ने फिल्म को लेकर कही यह बात एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म क्रू की सह निर्माता रिया कपूर ने पुष्टि की है, फिल्म क्रू के सीक्वल को लेकर मेरे मन में कई विचार है और मैं इस फिल्म को एक फ्रेंचाइजी में बदलने का विचार कर रही हूं। रिया ने फिल्म के दूसरे भाग में स्टारकास्ट को लेकर भी कहा, फिल्म के दूसरे भाग में करीना कपूर खान, कृति सेनन और तब्बू अहम भूमिका में नजर आएंगी।

रिया कपूर ने कहा मैं सच में फिल्म के सीक्वल को लेकर डर जाती हूं। मुझे इससे डर लगता है। इस बात को लेकर एकता कपूर मुझसे काफी नाराज भी हैं। यह पहली बार है जब मैं फिल्म खत्म करे सिर्फ एक हफ्ता ही हुआ है और मेरे पास फिल्म के दूसरे भाग को बनाने के लिए फिल्म लेखकों के संदेश आने शुरू हो गए। मेरे पास अब फिल्म के दूसरे भाग को बनाने के लिए कई विचार हैं। मुझे लगा यह पागलपन होगा। लेकिन इस फिल्म को बनाते वक्त मुझे बेहद खुशी महसूस हुई थी। तो क्यों ना इसे बना ही लिया जाए। आगे रिया फिल्म के दूसरे भाग को लेकर कहती हैं, इस फिल्म का दूसरा भाग बेहद ही मजेदार बनेगा क्योंकि इसका अंत अभी बाकी है।

एकता और रिया कपूर की फिल्म साल 2018 में आई फिल्म वीरे दी वेडिंग में एकता कपूर और रिया कपूर बतौर निर्माता एक साथ काम कर चुकी हैं। इस फिल्म में करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया ने अहम भूमिका निभाई थी। इस महिला प्रधान फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वीरे दी वेडिंग का दूसरा पार्ट भी आ सकता है। फिल्म क्रू की स्क्रिप्ट पर काम खत्म होते ही इसकी शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। वहीं फिल्म क्रू के दूसरे भाग को लेकर फैंस बेहद खुश है और इस फिल्म के दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि वह फिर से एक बार करीना, तब्बू और कृति की जबरदस्त कॉमेडी देखना चाहते हैं।

मैदान की रिलीज से पहले फिल्म के निर्माता बोनी कपूर को तगड़ा झटका, कोर्ट ने दिया यह आदेश

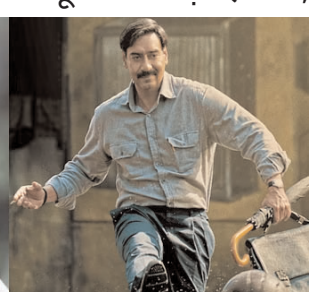

कोर्ट ने दिया यह आदेश मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने घोषणा करते हुए अपने फैसले में कहा कि बोनी को प्रदान की गई सेवाओं के लिए उसे 96 लाख रुपये का भुगतान करना चाहिए। माननीय अदालत प्रतिवादियों को 96,06,743 रुपये की राशि की सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश देती है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर संपत्ति या उसके मूल्य या उसके ऐसे हिस्से को अदालत के निपटान में पेश किया जा सके। जो कि डिक्री को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त हो सकता है।

बयान में लिखी थी यह बात फैसले के बाद, विक्रेताओं ने एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें लिखा था, बोनी कपूर ने 2 साल से अधिक समय तक भुगतान रोके रखने के बाद भी ब्याज का भुगतान करने से इनकार कर दिया था। हमारे उचित बकाया की मांग को ब्लैकमेलिंग कहा गया था। लेकिन अंत में जो सही है वह हमेशा जीतेगा और हमारी भी जीत हुई है।

इंडस्ट्री के लोगों के लिए कही यह बात बयान में आगे कहा गया है, मुझे सच में उम्मीद है कि इस इंडस्ट्री में लोग यह समझेंगे कि किसी का फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए या उन्हें धमकाया नहीं जाना चाहिए और जो उनका हक है उसके लिए लड़ना चाहिए! जब वे इसके लिए इतनी मेहनत करते हैं, तो उन्हें वह मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं।

डिजिटल युग में समाज में बदलाव लाएगी फिल्म, दिबाकर का दावा, प्यार के साथ जिस्मानी रिश्ते को बताया अहम

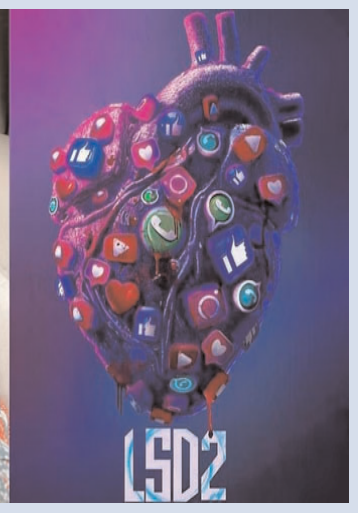

निर्माता एकता कपूर और निर्देशक दिबाकर बनर्जी के डिस्क्लेमर के बाद जारी किया गया लव सेक्स और धोखा 2 का टीजर सुर्खियों में छाया हुआ है। टीजर एक मनोरंजक और चौंकाने वाली कहानी की झलक देता है। इसने सोशल मीडिया और फिल्म के हर एक पहलू पर एक बिल्कुल नई चर्चा छेड़ दी है। अब हाल ही में, निर्देशक दिबाकर बनर्जी ने बताया है कि यह फिल्म डिजीटल युग में समाज में बदलाव करने का काम करेगी। आइए जानते हैं कि दिबाकर ने क्या कहा है। हाल ही में, एक साक्षात्कार में दिबाकर बनर्जी ने अपनी नई फिल्म एलएसडी 2 के बारे में खुलकर बात की। निर्देशक ने फिल्म की कहानी से लेकर इसकी अवधारणा, सामाजिक प्रासंगिकता और सिनेमा में सेंसरशिप से निपटने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला है। एलएसडी 2 के पीछे की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए दिबाकर बनर्जी ने खुलासा किया, यह मेरा विचार नहीं था। यह एकता का विचार था। उन्होंने सुझाव दिया कि काफी समय बीत चुका है और समाज इतना बदल चुका है कि हम एलएसडी 2 बना सकते हैं। यह डिजिटल युग है और मुझे लगता है कि इस फिल्म से हम समाज को एक नई दिशा दे पाएंगे और जिन विषयों पर खुलकर बात नहीं होती है, उसे पर्दे पर ला पाएंगे। समाज में फिल्मों की भूमिका पर विचार करते हुए निर्देशक ने प्रेम और सेक्स जैसे विषयों को आगे लाने की चुनौतियों का खुलासा करते हुए कहा, फिल्म रूढ़िवादिता को तोड़ने और इंडस्ट्री को एक नई दिशा देने का काम करेगा क्योंकि फिल्म में हम सब ऊपर से कुछ दिखाते हैं और अंदर कुछ करते हैं। भारतीय सिनेमा में सेंसरशिप पर चर्चा करते हुए, बनर्जी ने ओटीटी प्लेटफार्मों के उदय के साथ बदलते परिदृश्य को स्वीकार किया, और सेंसरशिप नियमों को नेविगेट करने में फिल्म निर्माताओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि अब समाज के हिसाब से कंटेंट में भी बदलाव लाने की बहुत जरूरत है।

चांदी 80 हजार और सोना 72 हजार के पार

इंदौर-उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में ये हैं भाव

इंदौर। मध्य एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी जारी है। वैश्विक बाजार में सोमवार को सोना हाजिर 2,353.79 डालर प्रति औंस की रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता देखा गया। वहीं चादी भी 28 डॉलर के पार 28.06 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसका असर भारतीय बाजारों पर बना रहा और सोना एक बार फिर पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ता हुआ 1000 रुपये बढ़कर 72 हजार के पार 72300 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1000 रुपये बढ़कर 80000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। दोनों धातुओं के इतने ऊंचे दाम अभी तक नहीं देखे गए। पिछले कुछ दिनों में दोनों धातुओं की कीमतों में आई जोरदार तेजी के कारण बाजार में ग्राहकों का सन्नाटा देखने को मिल रहा है। ग्राहक दाम सुनते ही खरीदारी से पीछे हटने लगे हैं। जिन घरों में शादियां हैं, उन्होंने भी खरीदारी सीमित कर दी है। इस साल अब तक सोने में 12 फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज

की जा चुकी है। कई देशों के सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व में सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। इसमें आरबीआइ और चीन का सेंट्रल बैंक भी है। चीन के सेंट्रल बैंक में फरवरी में 12 टन सोना खरीदा और मार्च में भी यह सिलसिला जारी रहा। चीन के पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना लगातार 17 महीने से सोने की खरीदारी कर रहा है। जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में रिकॉर्ड तेजी के पीछे यह भी एक बड़ी वजह मानी जा रही है। इसके अलावा इजराइल-हमास संघर्ष के कारण बढ़ते तनाव के बीच इसकी मांग में इजाफा हुआ है। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती के संकेत से भी सोने की खरीददारी में वृद्धि हुई है। वायदा मार्केट में जून में सोने की कीमत अब तक सबसे ज्यादा हुई। इसके साथ ही चांदी ने भी वायदा मार्केट में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कामेक्स सोना ऊपर में 2353 तथा नीचे में 2302 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 28.06 व नीचे में 26.85 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 72300 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 73950 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 66800 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शनिवार को सोना 71300 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 80000 रुपये, चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 82400 रुपये तथा चांदी टंच 80100 रुपये प्रति किलो बोली गई। शनिवार को चांदी 79000 रुपये पर बंद हुई थी। उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 72400 रुपये तथा सोना रवा 72300 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 80200 रुपये तथा चांदी टंच 80000 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 प्रति नग रहा। रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 73000 रुपये तथा सोना रवा 72950 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 82000 रुपये तथा चांदी टंच 82100 रुपये प्रति किलो बोली गई।

मांग की तुलना में कमजोर आवक से सोयाबीन के दाम बढ़े

इंदौर। अमावस्या की वजह से प्रदेश की अधिकांश मडियां बंद होने के कारण सोयाबीन की आवक बेहद कम दर्ज की गई। वहीं, प्लांटों की डिमांड अच्छी होने के कारण सोयाबीन खरीदी भाव 25-50 रुपये तक ऊंचे बोले गए। प्लांट खरीदी भाव 4750-4900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोले गए। व्यापारियों का कहना है कि वैवाहिक सीजन शुरू होने से आगे सोया तेल की मांग में इजाफा हो सकता है। पोर्ट पर खाद्य तेलों का स्टॉक बेहद कम होने से प्लांटों पर निर्भता बढ़ गई है जिसके चलते प्लांटों की सोयाबीन में खरीदी जोरों पर है। इधर, सोया तेल में फिलहाल उठाव कुछ कमजोर देखा गया जिससे कुछ प्लांट भावों में आंशिक कटौती कर माल बेच रहे हैं, लेकिन लंबी मंदी नजर नहीं आ रही है। सोयाबनी तेल इंदौर 975-980, पाम तेल 1030 रुपये प्रति दस किलो बोला गया। मूंगफली तेल में लेवाली कमजोर रहने और गुजरात तरफ से आवक का प्रेशर बढ़ने के कारण मूंगफली तेल में गिरावट रही। मूंगफली तेल इंदौर 20 रुपये टूटकर 1480-1500 रुपये प्रति दस किलो रह गया। मलेशिया में पाम तेल के टाइट स्टॉक के अनुमान के चलते इस सप्ताह केएलसी तीन फीसद से अधिक बढ़ा। मार्च के अंत में मलेशिया पाम तेल के स्टॉक में छह से आठ फीसद की गिरावट आने का अनुमान है। चीन के डीसीई में मजबूती ने इस सप्ताह केएलसी में तेजी का समर्थन किया। रमज़ान की छुट्टियों के कारण मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन और स्टाक कम हो गया है। ईद के बाद उत्पादन की गति बढ़ने की उम्मीद है जिससे स्टॉक में सुधार होगा। सूत्रों के अनुसार पोर्ट पर सोया तेल में बढ़त के बावजूद, साल्वेंट प्लांटों ने अपने भाव अधिक नहीं बढ़ाए क्योंकि मांग के प्रेशर फिलहाल कमजोर है। पिछले कुछ हफ्तों में सन आयल और सोया तेल का आयात बढ़ रहा है। सन आयल की अधिक आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी दरों से उच्च स्तर पर सोया तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। सोयाबीन 4600-4650, सरसों निमाड़ी 5800, एवरेज 5400-5600, राइड़ा 4600-4800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1480-1500, मुंबई मूंगफली तेल 1490-1510, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 975-980, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 930-940, इंदौर पाम 1030, मुंबई सोया रिफाइंड 960-965, सोया डीगम 890, मुंबई पाम तेल 968-970, राजकोट तेलिया 2380-2400, गुजरात लूज 1470-1490, कपास्या तेल इंदौर 930-940 रुपये । सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - एमएस साल्वेक्स 4875, नीमच प्रोटीन 4875, धीरेंद्र सोया 4875, खंडवा आइल 4750, प्रकाश 4775, अंबिका कालापीपल 4775, प्रेस्टीज 4800, केपी निवाड़ी 4825, लक्ष्मी 4775, सूर्या सोया 4860, महेश 4750, बैतूल 4825, लाभांशी 4825, पतंजलि 4760, अवी एग्रो 4750, सांवरिया 4810, लिविंग फूड 4795, एमएस पचोर 4810, अमृत 4870, मित्तल 4800-4900, स्नेहिल 4800, बंसल 4775, रामा 4750, आरएच सिहोनी 4850, सोनिका 4750 रुपये प्रति क्विंटल।

मार्क जुकरबर्ग से आगे निकले एलन मस्क

नई दिल्ली । कभी दुनिया सबसे अमीर शख्स रहे एलन मस्क अरबपतियों की लिस्ट में तीन नंबर पर फिर से पहुंच गए हैं। शुक्रवार को मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने उन्हें चौथे स्थान पर ढकेल दिया था। इसके अलावा मुकेश अंबानी 11वें स्थान पर पहले से और मजबूत हुए हैं, जबकि 14वें नंबर पर काबिज गौतम अडानी कमजोर। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट टॉप-10 के नौ अमेरिका के अरबपतियों पर भारी हैं। बर्नार्ड अर्नाल्ट दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं और उनके पास 226 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। इस साल इन्होंने 18.4 अरब डॉलर कमाए। दूसरे नंबर पर अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस हैं। इस साल अब तक 30.60 अरब डॉलर से अधिक कमाने वाले बेजोस के पास 207 अरब डॉलर की संपत्ति है। एलन मस्क फिर से तीसरे स्थान पर हैं। सोमवार को उनकी दौलत में 5.78 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और इसके उलट मार्क जुकरबर्ग की दौलत में 2.77 अरब डॉलर की कमी आई। नतीजा यह हुआ कि मस्क का शुक्रवार को खोया हुआ रुतबा सोमवार को वापस मिल गया। वह फिर से 186 अरब डॉलर के साथ तीसरे पर पहुंच गए। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बहुत तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रहे मार्क जुकरबर्ग 184 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं। इस साल अब तक जुकरबर्ग ने अपनी संपत्ति में 56.1 अरब डॉलर जोड़ा है। वह कमाई में दुनिया में नंबर वन हैं। अडानी हुए कमजोर, अंबानी मजबूत सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई तेजी और अडानी ग्रुप के अधिकतर स्टॉक्स में गिरावट की

इंदौर में नव संवत्सर पर दीपावली जैसा सजा बाजार, 120 करोड़ के वाहन बिकने का अनुमान

इंदौर। एक समय था जब बाजारों में रौनक केवल दीपावली और धनतेरस पर ही आती थी। परंतु अब हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा उत्सव को लेकर भी लोग काफी जागरूक होने लगे हैं। अब दीपावली के जैसे ही हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा का अपना बाजार बन चुका है। गुड़ी पड़वा के लिए अब गुड़ी, शक्कर के गहने, माला, श्रीखंड, पूरनपोली, डाल चावल, पापड़, कुर्दाई, चटनी, खौसमवीर, भजिया आदि चीजें रेड़ीमेड आने लगी है, जिसकी वजह से इनका बाजार बढ़ा होता जा रहा है। इसके अलावा हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के शुभमुहूर्त पर लोग कार, बाइक, गहना, घर आदि भी खरीदते हैं। एक तरह से देखा जाए तो अब

हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा पर बाजारों में दीपावली जैसी रौनक दिखाई देने लगी है। बाजारों में 100 से 300 रुपये तक गुड़ी, 100 रुपये किलो या 30 रुपये प्रति नग शक्कर के गहने और माला, चुनरी इत्यादि बिक रही हैं। इंदौर में हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा के मौके पर औसतन 1000 कारें और 2500 दो पहिया वाहन बिकने का अनुमान है। कार की औसत कीमत आठ लाख और दो पहिया वाहन की औसत कीमत 87000 रुपये माने तो करीब 105 करोड़ का व्यापार होगा। वहीं करीब 15 करोड़ का व्यापार कमर्शियल वाहनों से होगा। ऐसे मिलाकर शहर में आटोमोबाइल सेक्टर में करीब 120 करोड़ का व्यापार होगा।10 दिनों की चल रही वेटिंग लोगों में हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा पर खरीदारी का काफी उत्साह रहता है। पिछली बार की अपेक्षा इस बार बाजार में करीब 20 प्रतिशत ज्यादा उछाल है। दोपहिया वाहनों की बिक्री हर मौकों पर ज्यादा होती है। इस वजह से इस बार वाहनों की बुकिंग में 10 दिन की वेटिंग चल रही है। जिनके वाहन 10 दिन पहले बुक हुए थे, हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा पर उन्हीं को वाहन मिल पाएंगे।अयोध्या में राम मंदिर बनने से हिंदुओं में काफी उत्साह है। इस हिंदू नववर्ष को सनातनी यादगार बनाना चाहते हैं। इसके लिए लोग चार पहिया वाहनों में काफी रुचि दिखा रहे हैं। उज्जैन मेले में कई गाड़ियां पंजीकृत हुई थीं। उस दौरान ग्राहकों की मांग थी कि गाड़ियों की डिलीवरी हिंदू नववर्ष पर ही हो। क्रिएटा और वैन्यू जैसी कई गाड़ियां स्टाक से बाहर चल रही हैं। हिंदू नववर्ष के मौके पर पिछली बार से इस बार करीब 25 से 30 प्रतिशत व्यापार बढ़ा है। इस बार हमारे प्रतिष्ठान से करीब 45 कारें जाने का अनुमान है।

खेल

हॉकी इंडिया ने की 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम कोर ग्रुप की घोषणा

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने सोमवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की, जो 16 मई तक साई बेंगलुरु में प्रशिक्षण जारी रखेगी। 1 अप्रैल को शिविर के लिए रिपोर्ट करने वाले 60 सदस्यीय मूल्यांकन दल में से इन 33 खिलाड़ियों का चयन 6 और 7 अप्रैल को आयोजित चयन परीक्षणों के बाद किया गया है। 33 खिलाड़ियों का यह दल उस टीम के गठन की दौड़ में होगी जो भविष्य के कोचिंग शिविरों और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन दौरों में हिस्सा लेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम इस साल के अंत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन का सामना करने के लिए एंटवर्प और लंदन की यात्रा करेगी। शॉर्टलिस्ट की गई टीम में गोलकीपर सविता, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी और माधुरी किंडो शामिल हैं। कोर ग्रुप के लिए चुने गए डिफेंडरों में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री और प्रीति हैं। हाल ही में समाप्त हुई 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हॉकी मिजोरम का प्रतिनिधित्व करने वाली 22 वर्षीय मरीना लालरामनघाकी और मणिपुर हॉकी का प्रतिनिधित्व करने वाली 25 वर्षीय मनीषा चौहान को भी टीम में शामिल किया गया है।

पंजाब और हैदराबाद होंगे आमने-सामने, पढ़ें हेड टू हेड रिकॉर्ड, पिच रिपोर्ट व मौसम का हाल

इंदौर। मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 9 अप्रैल को पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच होगा। पंजाब और हैदराबाद दोनों ही यह चाहेंगे कि उनका विजयी अभियान जारी रहे। पॉइंट टेबल पर दोनों ही टीमों की स्थिति लगभग एक जैसी ही है। सनराइजर्स हैदराबाद पांचवें और पंजाब किंग्स 6वें नंबर है। पंजाब शिखर धवन की अगुवाई में अपना पहला मैच जीत गई थी। उसके बाद दोनों ही मैचों में उसे हार का सामना कर पड़ा। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरी पंजाब ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। पंजाब ने चौथा मैच 3 विकेट से जीता था। पंजाब कुल 4 मैचों में

2 ही मैच जीत सकी है। सनराइजर्स हैदराबाद की इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन को लेकर बात करें तो 4 मैचों में 3 मैच जीत लिए हैं। पहला मैच हैदराबाद हार गई थी। दूसरे मैच में वापसी की और जीत गई। तीसरा मैच जीतकर विजयी अभियान को जारी रखा था। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 6 विकेट से जीत हासिल की थी। पंजाब और हैदराबाद के बीच 21 मैचों में भिड़ंत हो चुकी है। इसमें पंजाब को 7 बार ही जीत हासिल हुई है। हैदराबाद 14 बार मैच जीती है। हैदाबाद के खिलाफ पंजाब अभी तक 211 रन का सबसे ज्यादा बड़ा स्कोर बना सकी है। वहीं पंजाब के खिलाफ हैदराबाद ने 212 रन का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। हाल में हुए 5 मैचों की बात करें, तो उसमें भी हैदाराबाद जीतती हुई दिखाई देती है। हैदाबाद ने 3 में से 3 मैच जीते हैं। क्या कहती है पिच मोहाली की पिच तेज गेंदबाजों को मदद देती है। इसमें पहले गेंदबाजी करने का फायदा है। टीमें टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करती है, जिससे नमी का फायदा उठाया जा सके। इस पिच पर तेज गेंदबाज स्पिन गेंदबाज की तुलना में ज्यादा विकेट लेते हैं। पंजाब की टीम ने यहां 56 मैच खेले हैं, जिसमें 30 मैच जीते हैं। मौसम के बारे जानें मोहाली का तापमान सामान्य ही रहेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच की शुरुआत में तापमान 32 डिग्री रहेगा। मैच के खत्म होने तक तापमान गिरकर 24 डिग्री तक हो जाएगा। एक्यूवेदर की मानें तो हवा की गुणवत्ता ठीक नहीं होगी।

केकेआर के खिलाफ चला सर जडेजा का जादू, सिर्फ 8 गेंदों में कर दिया खेला

इंदौर। चेन्नई सुपरकिंग्स और केकेआर का मैच चेपॉक के मैदान में खेला जा रहा है। यहां केकेआर के खिलाफ रविंद्र जडेजा की फिरकी के सामने केकेआर के बल्लेबाज परेशान नजर आए। जडेजा के एक ओवर में सुनील नरेन और अंगकृष रघुवंशी आउट हो गए। रविंद्र जडेजा ने चार ओवर में सिर्फ 18 ही रन दिए और 3 विकेट झटक लिए। चेन्नई सुपरकिंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी

केकेआर के बल्लेबाज फिल सॉल्ट जीरो पर आउट हो गए। तुषार देशपांडे ने पहली ही गेंद पर उनका शिकार किया। उसके बाद अंगकृष रघुवंशी और सुनील नरेन ने केकेआर के स्कोर को आगे बढ़ाया। केकेआर का स्कोर पचास तक पहुंचा, तो रविंद्र जडेजा को चेन्नई सुपरकिंग्स ने गेंदबाजी दी। उसके बाद तो जडेजा ने कमाल ही कर दिया। पहले ओवर मकी पहली गेंद पर अंगकृष रघुवंशी को पवेलियन भेज दिया। उसके बाद सुनील नरेन को भई उन्होंने 27 रन पर आउट कर दिया।

एमएस धोनी के नाम से गुंजा स्टेडियम, आंद्रे रसेल को बंद करने पड़ गए अपने कान

नई दिल्ली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आईपीएल 2024 का 22वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले को देखने को लिए जितने भी दर्शक पहुंचे, उसमें करीब 80 फीसदी दर्शक सीएसके के थे। इनमें से भी आधे से ज्यादा दर्शक एमएस धोनी के फैन होंगे। यही कारण था कि जब बल्लेबाजी के लिए वे उतरे तो एक भयंकर शोर स्टेडियम में सुनाई दिया, जो आपके कानों के लिए घातक हो सकता है। यही

कारण था कि कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को अपने कान बंदे करने पड़ गए। दरअसल, एमएस धोनी को बल्लेबाजी करते हुए देखने के लिए फैंस मोटी रकम चुकाकर स्टेडियम की टिकट खरीदते हैं। जैसे-तैसे धोनी की बल्लेबाजी आती है, क्योंकि सीएसके के पास लंबी बैटिंग लाइनअप है। हालांकि, धोनी ने फैंस का ख्याल रखने के लिए आईपीएल 2024 में तीसरी बार ही बल्लेबाजी के लिए उतरे। धोनी जब क्रीज पर पहुंचे तो उस समय जो शोर स्टेडियम में था, वह आपके कानों के लिए घातक हो सकता है। धोनी जब बल्लेबाजी के लिए आए तो इस समय नॉइज मीटर में दर्ज किया गया कि शोर का लेवल 135DB (डेसीबल) था। आमतौर पर इंसान के कानों को अगर 70dB से ज्यादा का शोर लगातार सुनाया जाए तो उसके कानों में परेशानी हो सकती है।

मैहर ।आज नवरात्रि के प्रथम दिवस में मेला प्रांगण में तमाम व्यवस्थाओं को देखते हुए मैहर एसडीएम विकाश सिंह तहसीलदार जितेंद्र पटेल शारदा प्रबंधक समिति के उपयंत्री एसबी सिंह भ्रमण में निकले एवम समस्त दुकानदारों को उचित निर्देश देते हुए साफ सफाई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया साथ आने वाली गाड़ियों को खुद ही रोककर हिदायत दी

पन्ना के सुनवानी कला में खली पड़ा करोड़ो का अस्पताल

डॉक्टरो का हो रहा इंतजार

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ पन्ना, ग्राम सुनवानी कला मे करोड़ो कि लागत से बनी हुई सरकारी अस्पताल लगभग 2 साल से डॉक्टरो का इंतजार कर रही है लेकिन शासन प्रशासन कोई ध्यान नही दे रहा है 1नर्स व कम्पाऊंडर के बलबूते चल रही है अस्पताल ग्राम सुनवानी कलां व आसपास गाव सिरसी पटना ,उड़ला ,गड़ीकरहैया,सूरजपुरा ,झिराटा ,खलोंन ,मदपुरा ,धौरा ,सुनवानी खुर्द ,सिमरा ,जो कि सभी गाव सुनवानी से लगे हुए है इन सभी ग्रामीणो को ईलाज के लिए अमानगंज व पन्ना भटकना पड़ता है जिससे ग्रामीणो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है आखिर करोड़ो कि लागत से बनी हुई अस्पताल को कब तक मिलेगे डॉक्टर और ग्रामीणो को परेशानी से निजात मिलेगी या अस्पताल निर्माण तक हि विकास अधर मे लटका रहेगा।

कलेक्टर द्वारा ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की

ग्रामीण क्षेत्र के समस्त शासकीय भवनों की छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग के समुचित प्रबन्ध किए जाए

15 सब इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमे कलेक्टर द्वारा ग्रीष्म कालीन पेयजल समस्या के निराकरण, जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण के पुराने कार्यों को पूर्ण कराये जाने और इसमें नवाचार के साथ काम करने के लिए अपने सुझाव पेश करने संबंधी बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मैपिंग रिर्पोट अनुसार ग्रीष्म काल में जितने हेण्डपम्प सूख जाते है वहाँ रिचार्ज पिट बनाये जिससे इस समस्या का दीर्घकालीन संशोधन हो सके, इसी के साथ रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के तकनीको का अधिक से अधिक प्रयोग करे। ग्रामीण क्षेत्र के समस्त शासकीय भवनों की छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग के समुचित प्रबन्ध किए जाए। पेयजल की समस्या के निराकरण का रिस्पांस टाइम कम किए जाए। किसी भी कार्य में त्रुटि मिलने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। 12 सब इंजीनियर पर कार्य में लापरवाही बरतने और 3 सब इंजीनियर पर बैठक में देरी से उपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा कहा गया कि झाबुआ जिले में विकास की सम्भावना है पेयजल की समस्या प्रतिवर्ष होती है जिसके दीर्घकालीन समाधान पर फोकस किया जाये। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिनेश वर्मा, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्री सीएस अलावा, समस्त जनपद सीईओ, समस्त सहायक यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और समस्त उपयंत्री, पंचायत समन्वयक अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेंट जोसेफ गर्ल्स स्कूल में एक ही दिन में 1419 बच्चों को लगा टीका

स्कूलों में जैपनीज इन्सेफेलाइटिस

टीकाकरण निरंतर जारी

भोपाल, जैपनीज इनसेफेलाइटिस टीकाकरण अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में टीकाकरण निरंतर जारी है। कार्यक्रम में 1 साल से 15 साल तक की उम्र के बच्चों को टीके लगाए जा रहे हैं । भोपाल में एक लाख से अधिक बच्चों को ये टीका लगाया जा चुका है। अभियान के तहत निजी एवं शासकीय स्कूलों में बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक टीका लगवाया जा रहा है। अभियान के तहत सोमवार को ईदगाह हिल्स स्थित सेंट जोसेफ गर्ल्स स्कूल में एक ही दिन में 1419 बच्चों को टीका लगाया गया। 27 फरवरी से शुरू किए गए इस अभियान के तहत 3200 से अधिक टीकाकरण सत्र आयोजित हो चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में 73 हजार एवं ग्रामीण इलाकों में 35 हजार बच्चों को टीका लग चुका है। यह टीका बच्चों को घातक जैपनीज इनसेफेलाइटिस बीमारी से बचाव के लिए लगाया जा रहा है। भोपाल में अनुमानित 9 लाख बच्चों को टीके लगेंगे। स्कूलों के अलावा जिले की 28 शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में यह टीका प्रतिदिन लगाया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा इस महत्वपूर्ण अभियान की जानकारी अभिभावकों तक पहुंचाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही पुस्तक विक्रेताओं को पैम्फलेट भी दिए गए हैं, जो कि अभिभावकों को किताबें लेने के दौरान दिए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस घातक और जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जापानी इंसेफेलाइटिस का टीका अवश्य लगवाएं। यह टीका कई राज्यों में पहले से ही लगाया जा रहा है और पूरी तरह से सुरक्षित और कारगर है। शासन द्वारा यह टीका निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वैक्सीन का कोई भी दुष्प्रभाव नहीं है। जापानी इंसेफेलाइटिस एक प्राणघातक बीमारी है।

संक्रमण के बाद विषाणु व्यक्ति के मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी सहित केंद्रीय नाड़ी तंत्र में प्रवेश कर जाता है। इस बीमारी के अधिकांश मामलों में कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं। गंभीर मामलों में सिर दर्द व ब्रेन टिशूज की सूजन (इंसेफेलाइटिस) की समस्या हो सकती है, अन्य लक्षणों में बुखार, सिर दर्द, कपकपी, उल्टी, तेज बुखार, गर्दन में अकड़न हो सकती है। पीड़ित व्यक्ति को झटके भी आ सकते हैं। उपचार नहीं करवाने पर मृत्यु भी हो सकती है। जिनकी जान बच जाती है उनमें से भी 30 से 50त्न प्रकरणों में (अवशिष्ट अनुक्रम) रह सकती है।

मन्नतों का पर्व है गणगौर

तीज को विशाल शोभायात्रा के साथ गणगौर की 250 काष्ठ प्रतिमाओ का चल समारोह पहुँचेगा माता की मुख्य बाड़ी मे ज्वारों को लेने

कुक्षी – नवरात्रों के तीसरे दिन यानी की चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तीज को गणगौर माता याने की माँ पार्वती की पूजा की जाती है 7 पार्वती के अवतार के रूप में गणगौर माता व भगवान शंकर के अवतार के रूप में ईशर जी की पूजा की जाती है।प्राचीन समय में पार्वती ने शंकर भगवान को पती (वर) रूप में पाने के लिए व्रत और तपस्या की 7 शंकर भगवान तपस्या से प्रसन्न हो गए और वरदान माँगने के लिए कहा 7 पार्वती ने उन्हें वर रूप में पाने की इच्छा जाहिर की 7 पार्वती की मनोकामना पूरी हुई और उनसे शादी हो गयी । बस उसी दिन से कुंवारी लड़कियां मन इच्छित वर पाने के लिए ईशर और गणगौर की पूजा करती है 7 सुहागिन स्त्री पति की लम्बी आयु के लिए पूजा करती है 7गणगौर की पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है

गणगौरी तीज को माता की मुख्य बाड़ी धान मण्डी मे आलोकिक ज्वारों के दर्शन , पूजा अर्चना आदि की जाती है। बाड़ी में पूजन करने वालों की कतार प्रात: 4 बजे से ही लग जाती है । ज्वारों पर पूजा आदि के पचात वस्त्र चढाया जाता है तथा नैवैद्य आदि के साथ नारियल आदि की प्रसादी बांटी जाती है । प्राचीन मान्यता है कि माता की बाड़ी में उल्टा स्वस्तिक बनाने तथा मन्नतपूरी होने पर यहां यथाक्ति मन्नत अनुसार चढावा चढाकर सीधा स्वस्तिक बनाने से परिवार में सुख ,समृद्धि और वैभव की वृद्धि होती है । इस अवसर पर स्त्री या पुरूष के शरीर में देवी शक्ति प्रकट होती है । तथा जिन पूरूष स्त्रियों मे शक्ति प्रकट होती है उन्हे माता आना या झाड़ कहा जाता है । पर्व के दौरान नगर व आसपास के अंचल में खुशनुमा वातावरण के साथ भक्ती रस का भाव दिखाई देता है।

इन स्थानों पर बोई है माता की बाड़ी – नगर में माता की मुख्य बाड़ी धान मण्डी मंगलवारिया – सोनी मोहल्ला में बोई जाती है । इसी के साथ दशा वैष्णव पोरवाड़ समाज की माता की बाड़ी रणछोड़राय मन्दिर में बोई जाती है एवं गजानन्दजी त्रिवेदी के यहाँ व सावरिया मंदीर में भी माता की बाड़ी बोई जाती है । इन स्थानों पर पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हे।

गणगौर की 250 काष्ठ प्रतिमाओ का चल समारोह पहुँचेगा माता के ज्वारे लेने – सिर्वी समाज सकल पंच अध्यक्ष कान्तिलाल गेहलोत ने बताया कि ज्वारो को अपने अपने घरें में लाने हेतु गणगौर की 250 काष्ठ (लकड़ी) प्रतिमाओ का विशाल चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ नगर की मुख्य बाडी धान मंडी मंगलवारियाँ में पहुंचता है और ज्वारों को रथ में या बॉस की नविन टोंकरियों में रख कर पूजा, आरती करके माता के ज्वारो व रथो को सिर पर रखकर बड़ी श्रद्धाभाव से अपने अपने घर ले जाया जाता है । घरों पर प्रसादी भोग लगाकर माता का पूजन किया जाता है । रात्रि में सभी रथो को नगर के मध्य स्थित जवाहर चौक में एकत्रित कर पानी पिलाया जाता है चार दिवसीय यह कार्यक्रम पहले दिन आई माता मंदिर प्रागंण में व दूसरे दिन बड़ी हथई तीसरे दिन पुन: आई माता मंदिर में और अंतिम दिन छोटी हथई में आयोजित होता हे। इस बार 13अप्रेल शनिवार को माता की बिदाई होगी एवं इसी दिन शाम 7 बजे जवाहर चौक मे ढोल की धुन पर गणगौर की प्रतिमा लिए महिलाएँ नृत्य करती है । जिसे देखने क्षेत्र के भारी संख्या में लोग एकत्रित होते है । इस प्रकार नगर में गणगौर महोत्सव के दौरान मैले के तरफ भीड़ भाड़ एवं धूम धाम रहती है । पर्व पर नगर पंचायत द्वारा भी विशेष सफाई तथा लाइटिंग आदि की व्यवस्था की जाती है । इस त्यौहार में बच्चे,बुढे, महिला, पुरूष सभी वर्ग के लोग उत्साह के साथ विशेष अपनी पोशाख धोती , कुर्ता व साफा आदि पहनते है ।

तराना से उज्जैन रूट पर चलने वाली बसों के चालकों की मनमानी से यात्री हो रहे परेशान

तराना। प्राप्त जानकारी अनुसार कानीपुरा उज्जैन रूट बस संचालकों की मनमानी से यात्री हो रहे परेशान मामला यह है की तराना से कानीपुरा उज्जैन को जाने वाली यात्री बसे पेट्रोल पंप चौपाटी थाने के सामने से यात्रियों को लेने तो जाती है पर वापसी में उज्जैन से कानीपुरा तराना आने वाली बसे पेट्रोल पंप चौपाटी थाने के सामने यात्रियों को छोड़ने ना ले जाकर नाचन बोर चौराहा या बस स्टैंड पर ही छोड़ देती है जिससे कई बुजुर्ग, पुरुष, महिलाए, अस्वस्थ्य लोग और बच्चे आधा से एक किलो मीटर पैदल चल भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सबसे बड़ी बात यह की बस सिर्फ जब यात्रियों को उज्जैन ले जाना होता है तब तो पेट्रोल पंप थाने के सामने जाति है पर जब वापसी छोड़ना होता है तब दूर छोड़ देती है। जिससे सबसे ज्यादा रात के समय यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है यात्री यदि उज्जैन से तराना पेट्रोल पंप थाने के सामने जाने का ड्राईवर और कंडक्टर को बोलते है तो बस ड्राइवर और कंडक्टर यात्रियों से अभद्रता करते देखे जा सकते है वही इस मामले में कई बार आमजनों ने शिकायते शान्ति समिति की बैठक में भी तराना से कानीपुरा उज्जैन बस चालकों के व्यवहार को ठीक करने एवं उज्जैन से वापसी में यात्रियों को अपने गंतव्य तक नहीं छोड़ने के लिए कई बार मुद्दे उठाए जाते है पर उन पर ऐसे कई और भी मुख्य मुद्दों पर क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आजतक अमल नहीं किया गया है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि क्षेत्रीय अधिकारियों को आमजन की समस्याओं से कोई लेना देना नही है।

राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो की जांच में खुलासा

नेपाल-कंबोडिया से जुड़े किडनी रैकेट के तार

चंडीगढ़। हरियाणा में किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट ममले में राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो को इस केस के तार नेपाल-कंबोडिया से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि एसीबी को वहां के लोगों के डॉक्यूमेंट मिले हैं। वहीं किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का मास्टरमाइंड मोहम्मद मुतुर्जा अंसारी अभी भी फरार है। एसीबी को शक है कि वह हरियाणा में ही कहीं छिपा है।

अभी तक की जांच से पता चला कि अंसारी इस पूरे खेल में झारखंड के रांची में जुड़ा था। जहां उसने किडनी प्रत्यारोपण के अवैध व्यापार में जाने से पहले दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इंटरप्रेटर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। पकड़े गए लोगों में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल और ईएचसीसी अस्पताल के अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों के साथ-साथ जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के एक अधिकारी भी शामिल थे। इन सभी पर अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी एनओसी जारी करने के लिए रिश्वत लेने का संदेह था। उनकी गिरफ्तारी के बाद, गुरुग्राम पुलिस, सीएम फ्लाइंग स्क्वाड और स्वास्थ्य विभाग के एक संयुक्त अभियान ने सेक्टर 39 में एक गेस्ट हाउस पर छापा मारा। उन्होंने पांच बांग्लादेशी नागरिकों की खोज की, जो किडनी के दाता और प्राप्तकर्ता थे, जिन्हें कथित तौर पर रैकेट के मास्टरमाइंड ने मदद की थी।

कर्ज से परेशान लोग होते थे निशाना

इस केस की जांच कर रहे एक एक सीनियर इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि रैकेट का सरगना अवैध रूप से गरीब और कर्ज में डूबे लोगों को बांग्लादेश से गुरुग्राम ले जाता था, और जयपुर में किडनी प्रत्यारोपण की व्यवस्था करता था। अंसारी की राजस्थान के 10 और मुंबई के दो अस्पतालों के साथ कथित साठगांठ उसकी गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट होगी।

पुलिस दर्ज कर रही बयान

गुरुग्राम पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत अपने बयान दर्ज करने के लिए दानदाताओं और प्राप्तकताओं को अदालत के सामने पेश किया। हालांकि, ट्रांसलेटर की कमी के कारण, केवल दो बयान दर्ज किए गए क्योंकि दोनों व्यक्ति हिंदी में बातचीत कर रहे थे। इस बीच, बाबिल पैलेस गेस्ट हाउस में पुलिस की एक टीम तैनात की गई है, जो बांग्लादेशी नागरिकों के मोबाइल फोन से आए संदेशों, कॉल और ईमेल की जांच कर रही है।

नमाज पढ़ने के विवाद बाद एक्शन में प्रशासन, अफगानिस्तान की काउंसल जनरल जाकिया पहुंचीं

गुजरात यूनिवर्सिटी ने विदेशी छात्रों को सुनाया होस्टल छोड़ने का फरमान

अहमदाबाद। गुजरात यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उन 7 पूर्व छात्रों को होस्टल से जाने के लिए कहा है, जो पढ़ाई पूरी होने के बाद भी होस्टल में ठहरे हुए थे। दरअसल, इन स्टूडेंट्स की पढ़ाई पूरी हो चुकी है, लेकिन किसी न किसी बहाने से ये अन्य स्टूडेंट्स के साथ रह रहे थे।

इन स्टूडेंट्स में 6 अफगानिस्तान और एक अफ्रीका का था। अब इन्हें हॉस्टल खाली करने के लिए कहा गया है। गुजरात यूनिवर्सिटी ने इसकी जानकारी अफगानिस्तान कॉन्सुलेट को देकर उन्हें वापस अपने देश लौटने की व्यवस्था कर दी है। गौरतलब है कि पिछले महीने इसी यूनिवर्सिटी में नमाज पढ़ने को लेकर भारतीय और विदेशी छात्रों में झड़प हो गई थी। इसके बाद से ही सभी विदेशी छात्रों को दूसरे होस्टल में शिफ्ट कर दिया गया है।

यूनिवर्सिटी में 150 विदेशी स्टूडेंट्स पढ़ाई करते हैं

गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति नीरजा गुप्ता ने बताया कि गुजरात यूनिवर्सिटी में कुल 150 विदेशी स्टूडेंट्स पढ़ाई करते हैं। ये स्टूडेंट्स लंबे समय से पेपर, स्टैम्पिंग, कोचिंग जैसी अलग-अलग वजह बताकर यूनिवर्सिटी के होस्टल में रहने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि ये अब पूर्व स्टूडेंट्स की कैटेगरी में शामिल हैं और नियमों के मुताबिक इन्हें अब यूनिवर्सिटी के होस्टल में रहने के अनुमति नहीं दी जा सकती।

स्थानीय छात्रों से हुई थी मारपीट

बीते 16 मार्च की रात करीब साढ़े 10 बजे हॉस्टल के ए-ब्लॉक के कैंपस में नमाज पढ़ने को लेकर विदेशी छात्रों और स्थानीय छात्रों के बीच मारपीट हो गई थी। यहां विदेशी मुस्लिम छात्र सार्वजनिक रूप से नमाज पढ़ रहे थे। एक स्थानीय हिंदू स्टूडेंट्स ने जब उन्हें समझाने की कोशिश की तो मुस्लिम स्टूडेंट्स ने उस पर हमला कर दिया था। इसके बाद मामला बिगड़ गया था और जवाब में स्थानीय छात्रों की विदेशी छात्रों के साथ जमकर मारपीट हो गई थी। कैंपस में खड़ी गाड़ियों समेत हॉस्टल के कमरों तक में जमकर तोड़फोड़ की गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया था।

ट्रायल सफल होने के बाद यात्रियों का बचेगा 45 मिनट का समय

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 160 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेगी वंदेभारत

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने और ट्रायल को मंजूरी दे दी है। अब मुंबई से अहमदाबाद के बीच सफर करने वाले यात्रियों का काफी समय भी बचेगा। फिलहाल हाई स्पीड वंदेभरत ट्रेन का ट्रायल किया जाएगा। ये ट्रेनें अधिकतम 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ेंगी। फिलहाल वंदेभारत की स्पीड अधिकतम 130 किमी प्रतिघंटा होती है। अगर यह ट्रायल सफल होता है तो यात्रियों के करीब 45 मिनट बचेंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय का ही हिस्सा कमिशन ऑफ रेलवे सेफ्टी ने 16 कोच की वंदेभारत को ट्रायल रन की अनुमति दी है। इस ट्रायल रहने में सुरक्षा पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। सुरक्षा को देखते हुए ही ट्रायल रन दिन में ही किया जाएगा। इसके अलावा मौसम का भी खयाल रखा जाएगा। जब ट्रेन किसी भी स्टेशन या फिर क्रॉसिंग से होकर गुजरेगी तो वहां पर आरपीएफ कर्मचारियों की तैनाती होगी। जहां पर ठीक से बैरिकेडिंग नहीं है, वहां भी आरपीएफ कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

वंदेभारत के इस ट्रायल से पहले ही पायलटों की ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा उनका मेडिकल चेकअप भी करवाया जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि 160 किलोमीटर प्रतिघंटा वाली वंदेभारत के गुजरने के वक्त स्टेशन पर उस रूट से दूरी कोई ट्रेन क्रॉस ना करे। एक बार जब ट्रायल पूरा हो जाएगा और इतनी स्पीड से वंदेभारत दौड़ने लगेगी तो लोगों का कीफी समय बचेगा।

बता दें कि रेलवे अब स्लीपर वंदेभारत ट्रेनें भी चलाने की योजना बना रहा है। गोरखपुर से आगरा तक भी स्लीपर वंदेभारत ट्रेन चलाने की तैयारी है। इसके टाइम टेबल को लेकर जल्द ही मंथन होने वाला है। प्रस्ताव के मुताबिक आगरा फोर्ट से यह स्लीपर वंदेभरत सप्ताह में 6 दिन चलेगी। 10 घंटे में यह ट्रेन आगरा से गोरखपुर के बीच सफर तय करेगी।

फिर बम धमाकों से दहला बलूचिस्तान, दो विस्फोट में 3 लोगों की मौत व 20 घायल

पेशावर: पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग बम विस्फोट हुए, जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित तीन लोगों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहली घटना के दौरान, सोमवार को प्रांत के क्वेटा जिले के कुचलक इलाके में एक मस्जिद में विस्फोट हुआ, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और 15 अन्य लोग घायल हो गये। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, %%जब मस्जिद में विस्फोट हुआ, उस समय लोग मग़रिब की नमाज पढ़ रहे थे।%% दूसरी घटना के दौरान, बलूचिस्तान के खुजदार शहर में उमर फारूक चौक के पास एक बाजार में सोमवार को हुए बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब बाजार में ईद की खरीददारी करने के लिए महिलाओं और बच्चों की भीड़ थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, %%इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन बल घटनास्थल पर पहुंचे। घायल व्यक्तियों और शवों को खुजदार टीचिंग अस्पताल ले जाया गया। बम निरोधक दस्ते के अधिकारी दोनों स्थानों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उमर फारूक चौक और मस्जिद के पास खड़ी की गई मोटरबाइक में 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाए गए थे। अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि मोटरबाइक में लगाए गए आईईडी को रिमोट के जरिये नियंत्रित किया गया था। बलूचिस्तान में हुए इस हमले की अब तक किसी भी प्रतिबंधित संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस साल हाल के हफ्तों में प्रतिबंधित संगठनों और आतंकवादियों द्वारा प्रांत में कई आतंकी हमले किये गए हैं, जिसमें सुरक्षाबलों और प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया है। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पिछले दिनों बलूचिस्तान के माच, ग्वादर बंदरगाह और तुरबत में एक नौसैनिक अड्डे पर तीन बड़े आतंकी हमले करने का दावा किया था। इस हमले में सुरक्षाबलों ने लगभग 17 आतंकवादियों को मार गिराया था।

लिंग परिवर्तन सर्जरी को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई, कोर्ट ने केंद्र-सीएआरए से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में अनियंत्रित लिंग परिवर्तन सर्जरी से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र और सीएआरए से जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से जनहित याचिका की सुनवाई में मदद करने को कहा है। जनहित याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कानून और न्याय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालयों को याचिका में पक्षकार बनाया गया है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर शिकायत करने पहुंचे सांसद चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर ही बैठ गए

धरना दे रहे थे टीएमसी के 10 सांसदों को घसीटकर ले गई पुलिस

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर शिकायत करने पहुंचे टीएमसी के कम से कम 10 सांसद चुनाव आयोग के बाहर ही धरने पर बैठ गए। इसमें राज्यसभा और लोकसभा के सांसद शामिल हैं। इसके थोड़ी ही देर के बाद दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची और सांसदों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक टीएमसी सांसदों ने चुनाव आयोग से मांग की थी कि केंद्रीय जांच एजेंसियों के चीफ को पद से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा था कि सीबीआई, ईडी और एनआईए का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए उनके चीफ पर कार्रवाई की जाए।

टीएमसी सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। टीएमसी नेता डोला सेन ने कहा कि भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है और विपक्षी नेताओं को झूठे केस में फंसा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इन जांच एजेंसियों के चीफ को हटा देना चाहिए जिससे कि चुनाव में हर दल को समान मौका मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी तरह से चुनाव से पहले ही हमारे नेताओं को गिरफ्तार करवा लेना चाहती है।

डेढ़ घंटे तक यूं ही घुमाते रहे और फिर थाने पहुंचे

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, हम शाम साढ़े 4 बजे के करीब चुनाव आयोग गए थे। जब हम शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे थे तो पुलिस पहुंची और कहा गया कि हमें मंदिर मार्ग पुलिस थाने ले जाया जा रहा है। लेकिन वे हमें डेढ़ घंटे तक यूं ही घुमाते रहे और फिर थाने पहुंचे। टीएमसी सांसदों की यह भी मांग है कि राज्य की सरकार को जलपाइगुड़ी में तूफान पीड़ितों की मदद के लिए अनुमति दी जाए जिससे कि उनके टूटे घरों का निर्माण करवाया जा सके। बता दें कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ रामलीला मैदान में हुए विरोध प्रदर्शन में भी टीएमसी ने हिस्सा लिया था। हालांकि टीएमसी इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

टीम परहमले के बाद गर्म है सियासत

पश्चिम बंगाल में एनआईए की टीम पर हुए हमले को लेकर भी सियासत गर्म है। रविवार को भूपतिनगर इलाके मे एनआईए की टीम 2022 में हुए विस्फोट माले में जांच के लिए टीएमसी नेता के ठिकाने पर पहुंची थी। यहां स्थानीय लोगों ने पत्थरबाजी कर दी। इसके बाद टीम के वाहनों को नुकसान पहुंचा और एनआईए का एक अधिकारी भी घायल हो गया। इसके बाद एनआईए ने शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी टीएमसी को घेर चुके हैं। वहीं ममता बनर्जी ने कहा कि इस तरह से रात में टीम का दबिश देना ही गलत था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569